मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 9 अंक 109
शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के पक्ष में नहीं सुप्रीम कोर्ट, कहा- जमीनी स्तर पर नियम लागू करें

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं है, हालांकि जब तक अधिकारी जमीनी स्तर पर आदेशों को लागू नहीं करते, तब तक हर साल आदेश और दिशानिर्देश जारी करने का कोई मतलब नहीं है। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पटाखे फोड़ने से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए कहा, इसका संबंध हर जीवित प्राणी से है। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ को वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। पीठ ने आदेशों को लागू करने पर जोर देते हुए कहा, जब तक आप जमीनी स्तर पर उन्हें लागू नहीं करते, तब तक आदेश और निर्देश जारी करने का कोई मतलब नहीं है।

ऐसा नहीं होने पर यह मजाक बनकर रह जाता है। पीठ ने कहा कि अधिकारियों को इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करनी होगी। उसने कहा, आपको इस पर वास्तव में नियंत्रण करना होगा। हम हर साल संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन सभी का सहयोग नहीं मिलने पर ऐसा नहीं किया जा सकता। पीठ ने भाटी से कहा, हम जनता की भावनाओं को भी समझते हैं।

हम पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन हमें बहुत

सख्त रुख अपनाने के लिए मजबूर न करें।

पीठ ने जन जागरूकता फैलाने के लिए प्रमुख हस्तियों की मदद लेने का सुझाव भी दिया। उसने पूछा, आप जन जागरूकता फैलाने के लिए खिलाड़ियों और अन्य प्रमुख हस्तियों की सेवाएं क्यों नहीं लेते? पीठ ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को यह देखने के लिए जमीनी स्तर पर मौजूद रहना चाहिए कि वास्तव में क्या हो रहा है। पीठ ने भाटी से कहा, हम हर साल आदेश जारी करते हैं और वे केवल सैद्धांतिक चर्चा बनकर रह जाते हैं। अदालत के तौर पर हम संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन आपको भी कुछ करना होगा। भाटी ने पीठ को वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार और सीएक्यूएम द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार ने इस साल व्यापक योजना बनाई है।

भाटी ने बताया कि नवंबर से कई उपाय लागू किए जाएंगे, जिनमें पुराने वाहनों पर पाबंदियां, निर्माण एवं तोड़फोड़ गतिविधियों पर रोक और दिल्ली में कार्यालयों के समय में चरणबद्ध बदलाव शामिल हैं। केंद्र ने पीठ को यह भी बताया कि पटाखों में बेरियम के इस्तेमाल से संबंधित मुद्दे पर उसके स्तर पर आंतरिक विचार-विमर्श जारी है। भाटी ने विचार-विमर्श पूरा करने के लिए तीन सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया।

बीजेपी सरकार विज्ञापनों के बजाय सुरक्षा पर ध्यान दे: अशोक गहलोत

जयपुर, 29 अक्टूबर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने गुरुवार को राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और राजधानी जयपुर में अपराध बढ़ने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में गहलोत ने राजस्थान के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता प्रताप सिंह सिंघवी के घर हुई चोरी की घटना का जिक्र किया। उन्होंने अक्टूबर महीने में शहर में हुई चोरी और महिलाओं के खिलाफ अपराध की कई अन्य घटनाओं का भी उल्लेख किया। गहलोत ने लिखा, राज्य की राजधानी जयपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह चरमरा गई है। राजधानी में लगातार हो रहे अपराधों से आम जनता के बीच डर का माहौल है। बुधवार रात जामडोलीबा में, पांच बदमाशों ने लोहे की छड़ों और डंडों से दो जौहरी भाइयों पर हमला किया और 20 लाख रुपये

लूट लिए। जब एक महिला ने बदमाशों का पीछा किया, तो उन्होंने उस पर गोली चला दी। इसी महीने की 1 तारीख को, टोंक रोड स्थित एक घड़ी के शोरूम से 5 करोड़ रुपये की चोरी हुई। सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए, उन्होंने बीजेपी से कहा कि वह विज्ञापनों पर पैसा खर्च करने के बजाय राज्य की कानून-व्यवस्था पर ध्यान दे। उन्होंने लिखा, जयपुर का सिविल लाइंस इलाका, जिसे सबसे सुरक्षित माना जाता है और जहां राज्यपाल और मुख्यमंत्री के आवास हैं, वहां पूर्व मंत्री श्री प्रताप सिंह सिंघवी के घर में चोरी हो गई। जब चोर सबसे सुरक्षित इलाके में घुस सकते हैं, तो आम आदमी की सुरक्षा की क्या गारंटी है? कुछ दिन पहले, जयपुर के सेंट्रल पार्क से एक व्यवसायी का अपहरण कर लिया गया था। बीजेपी सरकार के कार्यकाल को लगभग तीन साल हो चुके हैं। अब विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च करना बंद करें और कानून-व्यवस्था पर ध्यान दें– आम लोगों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं। कल रात, जयपुर के सिविल लाइन्स इलाके में प्रताप सिंह सिंघवी के घर पर कथित तौर पर नकदी और कृत्रिम आभूषणों की चोरी हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूक्रेन में स्टेशन पर खड़ी दो ट्रेन पर रूसी ड्रोन का हमला, 13 लोगों की मौत

खेरसॉन, 29 अक्टूबर। मध्य यूक्रेन के निप्रो शहर में बृहस्पतिवार को एक रूसी ड्रोन हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, जेट इंजन वाले इस ड्रोन ने रेलवे स्टेशन पर रुकी दो ट्रेनों को निशाना बनाया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने '' पर इस घटना की जानकारी देते हुए इसे एक भयावह हमला बताया। उन्होंने कहा कि यह हमला उस प्लेटफॉर्म पर हुआ जहाँ एक लोकल इलेक्ट्रिक ट्रेन और एक पैसेंजर ट्रेन खड़ी थीं। जेलेंस्की ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और रूस के खिलाफ सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग की। उन्होंने यूरोपीय संघ, अमेरिका और G7 देशों से अपील की कि जब तक युद्ध जारी है, तब तक रूस और उसकी सेना

पर बनाए गए दबाव और प्रतिबंधों को किसी भी हाल में कम नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "निप्रो के रेलवे स्टेशन पर रूस का एक भयानक हमला हुआ है। रूसियों ने एक प्लेटफॉर्म पर ड्रोन से हमला किया, जहाँ एक आम यात्री ट्रेन और एक निर्धारित पैसेंजर ट्रेन खड़ी थीं। दुर्भाग्य से, अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मैं उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। दस अन्य लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल पर सभी जरूरी आपातकालीन सेवाएँ काम कर रही हैं। जेलेंस्की ने आगे लिखा, "रूस ने तनाव कम करने के बजाय, कुछ रूसी कुलीन वर्ग के लोगों और रूसी ऊर्जा क्षेत्र से प्रतिबंध हटाए जाने के बाद से हमारे लोगों पर कितने आतंकवादी हमले किए हैं? यही कारण है कि यूक्रेन हमेशा कहता रहा है कि रूस की बढ़ती आक्रामकता के जवाब में अमेरिका और यूरोप को उचित और निर्णायक कदम उठाने चाहिए - जब तक यह रूसी युद्ध जारी है, तब तक मॉस्को और उसके युद्ध तंत्र (वॉर मशीन) पर लगे प्रतिबंधों में कोई ढील नहीं दी जानी चाहिए। अब समय आ गया है कि यूरोपीय संघ, अमेरिका और G7 नए और कड़े प्रतिबंध लागू करें। मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद देता हूँ जो इस तरह से मदद करने के लिए तैयार हैं।"

अमित शाह ने पिछले 5 वर्षों में NCDC की उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करने तथा देश में सहकारिता आधारित सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास को गति देने की दिशा में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की महापरिषद की 93वीं बैठक आज नई दिल्ली स्थित निगम के मुख्यालय में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में NCDC की वित्तीय एवं संस्थागत उपलब्धियों, सहकारी क्षेत्र में वित्तपोषण के विस्तार, नई बहुराज्यीय सहकारी संस्थाओं के विकास, ग्रामीण आजीविका के सुदृढ़ीकरण तथा निगम की भावी कार्ययोजना से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। महापरिषद की बैठक के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा

कि पिछले लगभग पाँच वर्षों में NCDC ने अत्यंत संतोषजनक कार्य किया है। निगम ने न केवल वित्तीय प्रदर्शन और निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में उल्लेखनीय प्रगति की है, बल्कि प्रति कर्मचारी लाभ में वृद्धि, ऋण स्वीकृतियों एवं संवितरण में विस्तार और नेट NPA को शून्य बनाए रखने जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ भी हासिल की हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि NCDC ने अब देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अपनी उपस्थिति स्थापित की है। लद्दाख जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तथा पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों में कार्यालयों का विस्तार सहकारी आंदोलन को देश के अंतिम छोर तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अमित शाह ने इन उपलब्धियों के लिए निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी।अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता क्षेत्र की दशकों पुरानी माँग को पूरा करते हुए एक अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। इसका उद्देश्य केवल सहकारी संस्थाओं की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक को विकास की प्रक्रिया से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल देश के विकास का आकलन केवल सकल घरेलू उत्पाद, प्रति व्यक्ति आय अथवा औद्योगिक निवेश के आधार पर नहीं किया जा सकता।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस: तीसरी बार भी आरोप तय नहीं, जयराम रमेश बोले- किसे बचा रही बीजेपी

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में जिला कारागार में निरुद्ध आठों आरोपियों पर बुधवार को तीसरी बार भी आरोप तय नहीं हो सके। इसे लेकर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एंव पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इसे लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर पोस्टकर कहा कि हम पहले दिन से कह रहे हैं कि भाजपा सरकार असली बड़े चोरों

को बचाना चाहती है। अब राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आठ आरोपियों पर तीसरी बार भी आरोप तय नहीं हो सके। आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी हुई, लेकिन वीडियो फुटेज और ऑडियो उपलब्ध कराने की मांग लंबित है।

उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि राम मंदिर की पूरी वीडियो फुटेज और ऑडियो सामने आने से किसकी पोल खुलेगी? देशवासियों के मन में यह संदेह है कि पूरी फुटेज और ऑडियो से चढ़ावे की चोरी और बड़े लोगों की मिलीभगत से जुड़े अहम राज सामने आ सकते हैं। देश जानना चाहता है कि इन रिकॉर्डिंग्स में क्या दर्ज है और उन्हें उपलब्ध कराने में देरी क्यों हो रही है। रमेश ने कहा कि CCTV में चढ़ावे की रकम हटाने की 105 घटनाएं सामने आईं। 2020 में ऑडिट की चेतावनियां दी गईं, 4 जून को चोरी का वीडियो सामने आया और 25 जून को FIR दर्ज हुई।

हांगकांग के नेता ने भीषण आग की घटना पर माफी मांगी, आवास मंत्री ने दिया इस्तीफा

हांगकांग। हांगकांग के नेता जॉन ली ने शहर में दशकों की सबसे भीषण आग को लेकर बृहस्पतिवार को माफी मांगी और कहा कि इस मामले की जांच में नियामकीय निगरानी में कमी पाए जाने के बाद आवास मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। पिछले साल नवंबर में लगी भीषण आग ने उत्तरी उपनगरीय जिले में एक अपार्टमेंट परिसर की सात इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया था। इस घटना में 168 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों अन्य लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा था। वांग फुक कोर्ट के कई पूर्व निवासी करीब एक साल से इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि सरकार इस त्रासदी के लिए जवाबदेही कैसे तय करेगी। इस घटना में उन्होंने अपने प्रियजनों और घरों को खो दिया था। हादसे के समय इमारतों में रखरखाव का काम चल रहा था। संवाददाता सम्मेलन की शुरूआत में ली और सात अन्य शीर्ष अधिकारियों ने माफी मांगी। ली ने कहा कि आवास मंत्री विनी हो को "राजनीतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए", हालांकि जांच में उनके किसी व्यक्तिगत कदाचार का पता नहीं चला। ली ने बताया कि विनी ने बुधवार को पद से इस्तीफा दे दिया। जांच के दौरान एक स्वतंत्र समिति ने पाया कि आवास ब्यूरो की स्वतंत्र जांच इकाई रखरखाव कार्य की निगरानी करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा

-ललित गर्ग

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चचाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती-विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है। रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा। आर्थिक विकास का उद्देश्य केवल कुछ कंपनियों को वैश्विक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में स्थिरता, सम्मान और अवसर लाना होना चाहिए। वस्तुतः जियो की उपलब्धि नए भारत की उस आकांक्षा का प्रतीक है, जो तकनीक में आत्मविश्वास, व्यापार में विस्तार और विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व चाहती है। किंतु मंजिल अभी दूर है। सच्ची सफलता वह नहीं, जहां कुछ लोग शिखर पर पहुँच जाएं, सच्ची सफलता वह है, जहाँ शिखर तक पहुँचने के रास्ते सबके लिए खुलें। रिलायंस की यह आर्थिक छलांग तभी इतिहास में स्थायी स्थान बनाएगी, जब इसके साथ रोजगार बढ़ेगा, आय की विषमता घटेगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचेगी। यही विकसित भारत का सार है-समृद्ध उद्योग, सक्षम नागरिक और संवेदनशील समाज। अनंत अंबानी ने जियो के नाम में छिपे आशीर्वाद के भाव को जिस आत्मीयता से अभिव्यक्त किया, वह भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर संगम है। उन्होंने कहा कि माँ कहती है-जियो मेरे लाल, दादी कहती हैं-जुग-जुग जियो और दोस्त कहते हैं-जियो मेरे यार। इस तरह जियो केवल एक व्यावसायिक नाम नहीं, बल्कि शुभकामना, आशीर्वाद, स्नेह और मंगलकामना का जीवंत संदेश बन जाता है। जब उन्होंने कारोबार को पूजा और शेयरों को प्रसाद की संज्ञा दी, तब उन्होंने आर्थिक उपलब्धि को जनभागीदारी और कृतज्ञता से जोड़ने का अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सचमुच, जब व्यापार में आशीर्वाद का भाव और सफलता में समाज की साझेदारी जुड़ जाए, तब उद्यम केवल समृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास का उत्सव बन जाता है।

त्योहारी लिक्विडिटी बनाम राजकोषीय असंतुलन

अशोक भाटिया

केन्द्र सरकार द्वारा दीवाली और त्योहारों के ठीक मुहाने पर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी देना महज एक प्रशासनिक या नियमित वित्तीय निर्णय नहीं है, बल्कि यह सुस्त पड़ती घरेलू मांग को पुनर्जीवित करने और व्यापक आर्थिक संतुलन साधने की दिशा में उठाया गया एक बड़ा नीतिगत कदम है। इस निर्णय के तहत डीए को मूल वेतन के 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 53 प्रतिशत कर दिया गया है, जो 1 जुलाई 2026 से प्रभावी माना जाएगा। इस फैसले से देश के लगभग 49.18 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 64.89 लाख पेंशनभोगियों की जेब में सीधे तौर पर अतिरिक्त नकदी पहुँचेगी, जो त्योहारी सीजन के दौरान उपभोक्ता वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट और खुदरा बाजार में मांग को एक नया संवेग देने का काम करेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के वर्तमान परिदृश्य में, जहां निजी उपभोग में आंशिक सुस्ती और खाद्य मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, वहां एक करोड़ से अधिक परिवारों की क्रय शक्ति को सीधे तौर पर बढ़ाना बाजार में तरलता या लिक्विडिटी का प्रवाह तेज करने का एक प्रभावी शॉर्ट-टर्म जरिया साबित हो सकता है। परंतु, अर्थशास्त्र का यह शाश्वत नियम है कि कोई भी वित्तीय प्रोत्साहन मुफ्त में नहीं आता; इस लोक-लुभावन और तात्कालिक राहत देने वाले कदम के पीछे राजकोषीय घाटे का एक भारी-भरकम गणित और राजकोषीय असंतुलन का एक गंभीर अंतर्निहित जोखिम भी छिपा हुआ है जिसे नीति निमार्ताओं द्वारा नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस निर्णय के आर्थिक निहितार्थों को समझने के लिए सबसे पहले बाजार में इसके माध्यम से होने वाले लिक्विडिटी के तात्कालिक प्रभाव का विश्लेषण करना आवश्यक है। दीवाली, धनतेरस और भाईदूज जैसे बड़े त्योहारों के दौरान भारतीय समाज में पारंपरिक रूप से बड़े पैमाने पर खरीदारी और निवेश की प्रवृत्ति होती है। पिछले कुछ तिमाहियों से यह देखा जा रहा था कि ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में मध्यम वर्ग बढ़ती रोजमर्रा की महंगाई, विशेषकर खाद्य वस्तुओं के दामों में उछाल के कारण अपने गैर-जरूरी खर्चों में कटौती कर रहा था। केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और पेंशनभोगियों की आय में इस तीन प्रतिशत की वृद्धि से बाजार में करीब 9,448.35 करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी सीधे खर्च के रूप में प्रवाहित होने का अनुमान है। जब यह पैसा बाजार में आता है, तो यह केवल एक वर्ग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि एक आर्थिक गुणक प्रभाव पैदा करता है। कर्मचारी इस अतिरिक्त आय का उपयोग इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, नए वस्त्रों, और त्योहार से जुड़ी सेवाओं पर खर्च करेंगे, जिससे अंततः विनिर्माण क्षेत्र और खुदरा व्यापारियों को भारी राहत मिलेगी। बाजार में वस्तुओं की बिक्री बढ़ने से जीएसटी संग्रह में भी वृद्धि होगी, जो एक तरह से सरकार के कर राजस्व को वापस समृद्ध करने में मदद करेगा। इस दृष्टिकोण से, यह फैसला त्योहारी सीजन में सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एक आवश्यक और सामयिक 'बूस्टर डोज' की तरह दिखाई देता है।

परंतु, इस सिक्के का दूसरा पहलू राजकोषीय स्वास्थ्य और सरकारी खजाने पर पड़ने वाले दीर्घकालिक दबाव से जुड़ा है, जो व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। वर्तमान वित्तीय

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

वर्ष में सरकार ने राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.9 प्रतिशत तक सीमित रखने का एक बेहद महत्वाकांक्षी और अनुशासित लक्ष्य रखा है। ऐसे समय में, जब वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के कारण देश के निर्यात और राजस्व प्राप्ति पर दबाव बना हुआ है, तब खजाने पर करीब साढ़े नौ हजार करोड़ रुपये का यह अतिरिक्त वार्षिक भार राजकोषीय अनुशासन की राह को कठिन बना सकता है। यह अतिरिक्त खर्च सरकार को विकासोन्मुखी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे कि रेलवे, राजमार्गों और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से अपने संसाधनों को मोड़ने पर मजबूर कर सकता है। अर्थशास्त्र के बुनियादी सिद्धांत बताते हैं कि जब सरकार राजस्व व्यय (जैसे वेतन, पेंशन और भत्ते) पर अधिक खर्च करती है, तो उसका पूंजीगत व्यय पर सकारात्मक प्रभाव कम हो जाता है, जबकि पूंजीगत व्यय ही वह इंजन है जो दीर्घकाल में रोजगार के नए अवसर पैदा करता है और वास्तविक आर्थिक विकास को गति देता है। इसलिए, तात्कालिक मांग बढ़ाने का यह नुस्खा कहीं राजकोषीय विवेक पर भारी न पड़ जाए, यह एक बड़ा यक्ष प्रश्न है।

इसके अतिरिक्त, इस तीन प्रतिशत की डीए बढ़ोतरी के पीछे मुद्रास्फीति या महंगाई का एक ऐसा दुष्चक्र भी काम कर रहा है जो इस वित्तीय राहत के वास्तविक प्रभाव को काफी हद तक कम कर देता है। डीए की गणना अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर की जाती है, जिसका सीधा मतलब है कि सरकार यह बढ़ोतरी तभी करती है जब बाजार में महंगाई पहले ही बढ़ चुकी होती है। अर्थात, कर्मचारियों को मिलने वाली यह अतिरिक्त राशि किसी नई समृद्धि का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह केवल उनके जीवन स्तर को महंगाई के थपेड़ों से बचाने और उनकी घटी हुई क्रय शक्ति को पुनः संतुलित करने का एक रक्षात्मक उपाय है। विडंबना यह है कि जब बाजार में एक साथ इतनी बड़ी मात्रा में नकदी का प्रवाह होता है, तो वह खुद मांग-प्रेरित मुद्रास्फीति को बढ़ावा दे सकता है। त्योहारों के मौसम में जब आपूर्ति की तुलना में अचानक मांग बढ़ जाती है, तो व्यापारी और सेवा प्रदाता कीमतें बढ़ा देते हैं, जिससे महंगाई का एक नया दौर शुरू होने का खतरा रहता है। यदि यह नकदी प्रवाह बाजार में कीमतों को और ऊपर ले जाता है, तो इस डीए बढ़ोतरी का वास्तविक लाभ न केवल केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बेअसर हो जाएगा, बल्कि समाज का वह असंगठित क्षेत्र और गरीब वर्ग, जिसे डीए जैसी कोई सुरक्षा प्राप्त नहीं है, इस बढ़ती महंगाई की चक्की में पीसने के लिए मजबूर हो जाएगा।

इस पूरे आर्थिक विमर्श के केंद्र में भारत का वह विशाल असंगठित और निजी क्षेत्र भी है, जो देश के कार्यबल का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा है और जो इस प्रकार की किसी भी सरकारी मूल्य-सूचकांक आधारित सुरक्षा तंत्र से पूरी तरह वंचित है। केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाली यह राहत जहां एक तरफ एक छोटे और विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की क्रय शक्ति को सुरक्षित रखती है, वहीं दूसरी तरफ यह देश के भीतर एक गहरे आर्थिक विभाजन को भी रेखांकित करती है। निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, दैनिक वेतनभोगियों और छोटे उद्यमियों को महंगाई के थपेड़ों को अपने सीमित संसाधनों के दम पर ही झेलना पड़ता है। जब सरकार केवल सरकारी कार्यबल के लिए भत्तों में वृद्धि करती है, तो यह देश की कुल मांग को एक सीमित दायरे में ही प्रभावित कर पाती है, जबकि व्यापक आर्थिक सुधार के लिए समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े असंगठित क्षेत्र की आय में वृद्धि होना अनिवार्य है। इसलिए, नीति निमार्ताओं को यह सोचना होगा कि क्या केवल एक विशिष्ट वर्ग को वित्तीय प्रोत्साहन देकर पूरी अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक और टिकाऊ मांग पैदा की जा सकती है, या इसके लिए अधिक व्यापक और समावेशी नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है जो ग्रामीण मजदूरी और कृषि आय को बढ़ाने पर केंद्रित हो।

गौरतलब है कि इस ३% डीए बढ़ोतरी का यह आर्थिक संदेश एक अत्यंत जटिल संतुलन साधने की कला को प्रदर्शित करता है, जहां सरकार को तात्कालिक जन-आकांक्षाओं, त्योहारों की लिक्विडिटी और दीर्घकालिक राजकोषीय विवेक के बीच एक बेहद पतली लकीर पर चलना पड़ रहा है। अल्पकाल में यह निर्णय निश्चित रूप से त्योहारी बाजार में रौनक लाएगा, व्यापारियों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरेगा और उपभोक्ता धारणा को सकारात्मक बनाए रखने में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगा। लेकिन दीर्घकालिक आर्थिक सेहत के नजरिए से, यह सरकार को अपने राजस्व स्रोतों को बढ़ाने, कर अनुपालन को और अधिक कड़ा करने तथा गैर-उत्पादक खर्चों में कटौती करने की चेतावनी भी देता है ताकि राजकोषीय घाटे का लक्ष्य पटरी से न उतरे। भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती इस बात में निहित नहीं है कि हम महंगाई के पीछे भागते हुए भत्तों में कितनी वृद्धि करते हैं, बल्कि इसमें है कि हम मुद्रास्फीति की अंतर्निहित वजहों को कितना नियंत्रित रख पाते हैं और पूंजीगत निवेश के जरिए स्थायी रोजगार के कितने अवसर पैदा कर पाते हैं। सरकार ने त्योहारी लिक्विडिटी का जो दांव खेला है, उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि आने वाले महीनों में यह राजकोषीय असंतुलन को बढ़ाए बिना वास्तविक आर्थिक विकास दर में कितनी तब्दीली ला पाता है।

बैलेट पर भी पिटी कांग्रेस, आखिर कब तक बहानों की राजनीति?

कांग्रेस की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसे चुनाव हारने से ज्यादा परेशानी अपनी हार की जिम्मेदारी स्वीकार करने में होती है। नतीजे प्रतिकूल आए नहीं कि कभी ईवीएम कठघरे में, कभी चुनाव आयोग निशाने पर और कभी मतदाता सूची पर सवाल। लेकिन जब बैलेट पेपर से हुए चुनावों में भी पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर कांग्रेस की समस्या मशीन है या उसकी अपनी राजनीतिक जमीन खिसक रही है? चार राज्यों की विधान परिषद की 28 सीटों के चुनाव ने इसी सवाल को कांग्रेस के सामने खड़ा कर दिया है। खासकर कर्नाटक में, जहां उसकी अपनी सरकार है, भाजपा-जद(एस) गठबंधन का चारों सीटें जीतना पार्टी के लिए महज चुनावी झटका नहीं, बल्कि राजनीतिक चेतावनी है। सत्ता हाथ में होने के बावजूद यदि पार्टी शिक्षक और स्नातक मतदाताओं का भरोसा नहीं जीत पा रही, तो उसे विपक्ष पर हमला करने से पहले अपने घर की हालत देखनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैलेट पेपर से हुए चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर तंज कसते हुए पूछा कि पार्टी ने आखिर कितनी सीटें जीतीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पलटवार करते हुए वाराणसी में भाजपा की हार और नागपुर में कांग्रेस की जीत का हवाला दिया। उनका तर्क था कि भाजपा को भी अपने राजनीतिक गढ़ों में मिली हार पर आत्ममंथन करना चाहिए। बात गलत नहीं है। भाजपा भी चुनाव हारती है तो उसे जवाबदेही से छूट नहीं मिल सकती। लेकिन कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि दूसरे की हार गिनाने से अपनी हार का हिसाब खत्म नहीं होता। वाराणसी में भाजपा की पराजय कांग्रेस की जीत नहीं है और नागपुर का परिणाम कर्नाटक की चारों सीटों पर मिली हार का जवाब नहीं बन सकता। राजनीति में प्रतिवाद करना आसान है, अपने संगठन की नाकामी स्वीकार करना कठिन।

नागपुर में कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को 3,271 मतों से हराया। वंजारी को 67,231 वोट मिले, जबकि कोहले को 63,960 मत प्राप्त हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय वाले शहर में कांग्रेस की इस जीत ने भाजपा के लिए भी असहज सवाल खड़े किए। मगर कांग्रेस को एक सीट की सफलता को अपनी वापसी का प्रमाण मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। एक निर्वाचन क्षेत्र में जीत संगठन की ताकत दिखा सकती है, लेकिन व्यापक चुनावी कमजोरी पर पर्दा नहीं डाल सकती। बिहार में भी

-अजय कुमार

कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उसके सहयोगी दलों को सफलता मिली, लेकिन कांग्रेस अपना प्रभाव स्थापित नहीं कर सकी। गठबंधन का हिस्सा होना और अपने दम पर मतदाताओं का भरोसा जीतना अलग-अलग बातें हैं। कांग्रेस की परेशानी यही है कि वह सहयोगियों की जीत से राजनीतिक लाभ तो चाहती है, लेकिन अपने संगठन की कमजोरियों पर उतनी गंभीरता नहीं दिखाती। कर्नाटक का नतीजा इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यहां कांग्रेस सरकार होने के बावजूद चारों सीटें भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन ने जीत लीं। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या उम्मीदवारों का चयन कमजोर था? क्या स्थानीय संगठन मतदाताओं तक पहुंचने में नाकाम रहा? क्या सरकार के कामकाज को लेकर शिक्षित वर्ग में असंतोष है? इन सवालों का जवाब पार्टी को जमीनी स्तर पर तलाशना होगा। सत्ता में होने का अर्थ यह नहीं कि मतदाता हर चुनाव में सत्तारूढ़ दल के पक्ष में ही मतदान करेंगे। यदि शिक्षक और स्नातक जैसे मतदाता भी पार्टी से दूरी बनाते हैं, तो इसे विरोधियों की साजिश बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस राजनीतिक आत्मविश्वास के लिए खतरे की घंटी है, जिसके सहारे कांग्रेस कर्नाटक में अपनी सरकार को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती रही है। इन चुनावों को लोकसभा या विधानसभा चुनावों के बराबर मानना भी उचित नहीं होगा। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं की संख्या सीमित होती है और स्थानीय मुद्दों का प्रभाव अधिक रहता है। फिर भी, इन नतीजों को मामूली बताकर किनारे नहीं किया जा सकता। शिक्षक अपने सामाजिक दायरे में जनमत तैयार करते हैं, जबकि स्नातक मतदाता शिक्षा, रोजगार, महंगाई और शासन जैसे सवालों पर दलों को परखते हैं। यदि कांग्रेस इन वर्गों के बीच प्रभाव खो रही है, तो उसे यह देखना चाहिए कि उसके राजनीतिक संदेश में कमी है या संगठन में। चुनाव केवल नारों से नहीं जीते जाते। मतदाता को यह भरोसा चाहिए कि उसकी समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने की क्षमता किस दल में है। ईवीएम पर कांग्रेस की आपत्तियों को भी इसी कसौटी पर परखना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है। जहां गड़बड़ी के ठोस प्रमाण हों, वहां जांच होनी चाहिए। लेकिन हर हार के बाद व्यवस्था को दोष देना राजनीतिक जिम्मेदारी से बचने का तरीका नहीं बनना चाहिए। अप्रैल 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम की विश्वसनीयता से संबंधित याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए बैलेट पेपर की व्यवस्था में लौटने की मांग स्वीकार नहीं की थी। इसका अर्थ यह नहीं कि चुनावी प्रक्रिया पर कभी सवाल नहीं उठाए जा सकते। इसका अर्थ यह है कि गंभीर आरोपों के लिए गंभीर प्रमाण भी चाहिए। केवल संदेह को बार-बार दोहराने से वह तथ्य नहीं बन जाता।

बैलेट पेपर से हुए चुनावों में कांग्रेस का कमजोर प्रदर्शन उसके राजनीतिक तर्कों को असहज जरूर करता है। लेकिन यह कहना भी गलत होगा कि इन नतीजों से ईवीएम पर उठाए गए हर सवाल का स्वतः खंडन हो गया। असली सबक इससे कहीं अधिक सीधा है। चुनावी सफलता किसी मशीन या मतपत्र की मोहताज नहीं होती; वह संगठन, उम्मीदवार, स्थानीय परिस्थितियों और मतदाताओं के भरोसे पर निर्भर करती है। कांग्रेस यदि बैलेट पेपर को अपनी समस्याओं का समाधान मान रही थी, तो इन परिणामों ने बता दिया कि मतदान का तरीका बदलने भर से राजनीतिक जमीन वापस नहीं मिलती। भाजपा को भी इन नतीजों से अजेय होने का भ्रम नहीं पालना चाहिए। वाराणसी में सपा की जीत और नागपुर में कांग्रेस की सफलता बताती है कि मजबूत माने जाने वाले राजनीतिक गढ़ों में भी मुकाबला बदल सकता है। मगर कांग्रेस को यह समझना होगा कि भाजपा की कमजोरी अपने आप उसकी ताकत नहीं बन जाती। विपक्ष बनने के लिए सरकार की आलोचना पर्याप्त नहीं है; जनता को बेहतर विकल्प भी देना पड़ता है। बेरोजगारी और महंगाई पर सवाल उठाना जरूरी है, लेकिन इनसे निपटने की ठोस नीति पेश करना उससे भी ज्यादा जरूरी है। कांग्रेस के सामने अब दो रास्ते हैं। वह हर हार के बाद नए आरोपों की ढाल तलाशती रहे या संगठन, नेतृत्व और नीतियों की कमजोरियों पर ईमानदारी से काम करे। पहला रास्ता आसान है, लेकिन राजनीतिक रूप से खोखला। दूसरा कठिन है, मगर वापसी की संभावना उसी में है। बैलेट पेपर हो या ईवीएम, मतदाता अंततः अपने अनुभव और भरोसे के आधार पर फैसला करता है। कांग्रेस को अब यह तय करना होगा कि वह चुनाव जीतने की तैयारी करेगी या हार के बाद सफाई देने की। क्योंकि जनता को बहाने नहीं, भरोसेमंद विकल्प चाहिए और भरोसा बयानबाजी से नहीं, जमीन पर किए गए काम से बनता है।

देश के सामाजिक उत्थान एवं कल्याण के लिए परिपक्व और कुशल नेतृत्व की जरूरत

सत्ता का उद्देश्य शासन करना नहीं, समाज को सही दिशा देना है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके विशाल भूभाग, आर्थिक संसाधनों, आधुनिक तकनीक अथवा सैन्य सामर्थ्य से ही निर्धारित नहीं होती, बल्कि उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां का समाज कितना शिक्षित, सुरक्षित, समरस, आत्मनिर्भर और खुशहाल है। राष्ट्र की उन्नति का वास्तविक मापदंड आम नागरिक के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर प्राप्त करता है, तभी विकास की अवधारणा सार्थक होती है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए देश को ऐसे परिपक्व, दूरदर्शी और कुशल नेतृत्व की आवश्यकता है, जो सत्ता को अधिकार नहीं, बल्कि जनसेवा का उत्तरदायित्व समझे। आज भारत विश्व में अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। विज्ञान, तकनीक, संचार, आधारभूत संरचना और विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में प्रगति के अनेक अवसर सामने आए हैं। किंतु इन उपलब्धियों के साथ यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है? क्या गरीब परिवार अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने में सक्षम हैं? क्या युवा अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार प्राप्त कर पा रहे हैं? क्या महिलाएं निर्भय होकर सार्वजनिक जीवन में भागीदारी कर सकती हैं? क्या बुजुर्गों को परिवार और समाज में उचित सम्मान मिल रहा है? क्या आम आदमी महंगाई, बीमारी और आर्थिक असुरक्षा के दबाव से मुक्त होकर जीवन जी पा रहा है? इन प्रश्नों के उत्तर ही किसी नेतृत्व की वास्तविक परिपक्वता और कार्यकुशलता की कसौटी हैं। नेतृत्व का अर्थ केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं। लोकतंत्र में नेतृत्व का चयन जनता करती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है कि वे उसकी समस्याओं को समझें, उसके अधिकारों की रक्षा करें और समाज को विकास की दिशा में आगे ले जाएं। चुनाव जीतना राजनीतिक सफलता हो सकती है, लेकिन जनविश्वास जीतना और उसे बनाए रखना नेतृत्व की वास्तविक उपलब्धि है। परिपक्व नेतृत्व वह होता है जो आलोचना से घबराता नहीं, विरोध को शत्रुता नहीं मानता और असहमति को लोकतंत्र की स्वाभाविक शक्ति समझता है। उसे यह बोध होना चाहिए कि जनता के मत से प्राप्त अधिकार जनता के प्रति जवाबदेही भी लेकर आते हैं। जो

-विक्रम दयाल

नेतृत्व केवल प्रशंसा सुनना चाहता है, वह धीरे-धीरे जनसमस्याओं से दूर हो सकता है। इसके विपरीत, जो नेतृत्व कठिन प्रश्नों का सामना करता है, गलतियों को स्वीकार करता है और सुधार के लिए

मीरा-भायंदर में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, महिला एजेंट गिरफ्तार; एक फरार

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने भायंदर पूर्व में कथित देहव्यापार रैकेट का पदार्फाश करते हुए एक महिला एजेंट को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरी महिला एजेंट की तलाश जारी है। पुलिस ने मौके से दो पीड़ित युवतियों को मुक्त कराया है। पुलिस के अनुसार, इन युवतियों को फोटोशूट, मॉडलिंग और बंगाली धारावाहिकों में काम करने वाली बताकर ग्राहकों को उपलब्ध कराया जाता था। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नवघर पुलिस स्टेशन की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि भायंदर पूर्व स्थित धर्म कांटा-फाटक रोड पर शिवराज चैंबर्स के पास, सिल्वर क्लाउड होटल की पहली मंजिल पर डी पिज्जा होटल के निकट एक महिला एजेंट देहव्यापार के लिए युवतियों को ग्राहकों तक पहुंचाने आने वाली है। सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकुंद यादव के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक दत्तात्रय ढुमे तथा नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने नकली ग्राहक और पंच की मदद से जाल बिछाकर छापेमारी की और एक महिला एजेंट को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में दो युवतियों को भी सुरक्षित मुक्त कराया गया। मुंबई, ठाणे, गोवा और लोनावला तक नेटवर्क होने का संदेह प्रारंभिक जांच के अनुसार, गिरफ्तार महिला एजेंट और फरार महिला एजेंट पर आरोप है कि वे फोटोशूट, मॉडलिंग तथा बंगाली धारावाहिकों में काम करने वाली युवतियों की तस्वीरें ग्राहकों को भेजकर उन्हें देहव्यापार के लिए उपलब्ध कराती थीं। पुलिस को संदेह है कि इस नेटवर्क के तार मुंबई, ठाणे, मीरा-भायंदर, लोनावला और गोवा सहित विभिन्न स्थानों से जुड़े हो सकते हैं। कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार महिला के पास से मोबाइल फोन, नकद राशि और सीलबंद कंडोम के पैकेट जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस फरार महिला एजेंट की तलाश कर रही है और इस कथित रैकेट में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। धारावाहिकों और फोटोशूट से जुड़े पहलुओं की जांच पुलिस के अनुसार, जांच में कुछ बंगाली टीवी कार्यक्रमों, धारावाहिकों और फोटोशूट से संबंधित नाम सामने आए हैं। इनमें रूपोशी बांग्ला, ईटीवी और स्टार जलसा से जुड़े कार्यक्रमों के साथ आभूषणों तथा साड़ी-लहंगे के फोटोशूट का उल्लेख किया गया है। हालांकि, संबंधित युवतियों के वास्तविक कार्य-संबंध और इन कार्यक्रमों से जुड़े तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इस कथित रैकेट के माध्यम से अब तक कितनी युवतियों को देहव्यापार में धकेला गया और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। इठर और पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने भारतीय न्याय संहिता (इठर) तथा अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम (ढक्ळअ/पीटा एक्ट) के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू की है। मुक्त कराई गई दोनों युवतियों को सुरक्षित महिला सुधारगृह में भेजने की प्रक्रिया किए जाने की जानकारी दी गई है। यह कार्रवाई मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों, जोन-1 के पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण (व्ढर), सहायक पुलिस आयुक्त सोहेल शेख तथा नवघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकुंद यादव के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस निरीक्षक दत्तात्रय ढुमे, सहायक पुलिस निरीक्षक विश्वास बाबर और नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

वाढवण बंदर प्रकल्पबाधित जमीन मालिकों के लिए 2 नवंबर को विशेष शिविर का आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। वाढवण बंदर परियोजना से प्रभावित जमीन मालिकों की जमीन अधिग्रहण और मुआवजे से संबंधित लंबित समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन की ओर से 2 नवंबर 2026 को विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित यह शिविर सुबह 11 बजे जिलाधिकारी कार्यालय परिसर स्थित लोकशाहीर आत्माराम पाटील जिला नियोजन भवन में आयोजित होगा। इसमें जिलाधिकारी की उपस्थिति में संबंधित मामलों की समीक्षा कर जमीन मालिकों को आवश्यक मार्गदर्शन और प्रशासनिक सहायता प्रदान की जायेगी। इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रभावित जमीन मालिकों को मुआवजे और अन्य वैधानिक लाभ दिलाने की प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को दूर करना है। कई मामलों में आवश्यक दस्तावेज अधूरे होने, राजस्व अभिलेखों में त्रुटियां, कानूनी वारिसों की पहचान में कठिनाई तथा जमीन में व्यक्तिगत हिस्सेदारी को लेकर स्पष्टता नहीं होने के कारण मुआवजे की प्रक्रिया लंबित है। इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन ने एक ही स्थान पर आवश्यक मार्गदर्शन और सुविधाएं उपलब्ध कराने की पहल की है, ताकि जमीन मालिकों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविर के दौरान जिलाधिकारी और संबंधित उपविभागीय अधिकारी (एसडीओ) प्रत्येक मामले की समीक्षा करेंगे। जमीन मालिकों को आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति, राजस्व रिकॉर्ड के सत्यापन, वारिसों के नाम दर्ज कराने तथा जमीन के हिस्सों से संबंधित अभिलेखों में आवश्यक सुधार की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जायेगी। जिन मामलों का समाधान प्रशासनिक स्तर पर संभव है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जायेगा। साथ ही जमीन अधिग्रहण और मुआवजे से संबंधित अन्य शंकाओं का भी निराकरण किया जायेगा। जिन मामलों में जमीन के स्वामित्व, उत्तराधिकार या हिस्सेदारी को लेकर विवाद हैं, उनमें आगे की कार्रवाई सक्षम कानूनी प्राधिकरण के माध्यम से की जायेगी। ऐसे जमीन मालिकों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन दिया जायेगा। प्रशासन का उद्देश्य पात्र जमीन मालिकों को नियमानुसार उनका मुआवजा और अन्य अनुमन्य लाभ दिलाना तथा लंबित मामलों का कानूनी प्रावधानों के तहत शीघ्र निपटारा करना है। जिला प्रशासन ने सभी प्रभावित जमीन मालिकों से अपील की है कि वे 2 नवंबर को आयोजित इस विशेष शिविर में उपस्थित होकर अपने मामले से संबंधित उपलब्ध दस्तावेज साथ लेकर आएं। आवश्यक कागजात और शिविर से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संबंधित उपविभागीय अधिकारी (एसडीओ) कार्यालय, तलाठी कार्यालय अथवा ग्राम पंचायत से संपर्क किया जा सकता है।

सूखाग्रस्त किसानों की दिवाली रोशन करने आगे आए एकनाथ शिंदे, धाराशिव के लिए दिवाली राशन से भरे ट्रक रवाना

मदद का तोरण ही शिवसेना की नीति संकल्प के तहत पहल; उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की प्रमुख उपस्थिति में ठाणे से भेजी गई दिवाली भेंट

ठाणे (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में भीषण सूखे की मार झेल रहे किसानों की दिवाली खुशहाल बनाने के उद्देश्य से शिवसेना ने मदद का हाथ बढ़ाया है। मदद का तोरण ही शिवसेना की नीति के संकल्प के तहत धाराशिव जिले के सूखाग्रस्त किसानों के लिए दिवाली राशन और आवश्यक सामग्री से भरे ट्रकों को गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 को ठाणे से धाराशिव के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर शिवसेना के मुख्य नेता एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान सांसद ओमराजे निंबालकर, युवासेना के कार्याध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक तथा मराठवाड़ा युवासेना निरीक्षक बाजीराव चव्हाण सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। किसानों की दिवाली फीकी नहीं होने देंगे दिवाली में अब केवल एक सप्ताह शेष है। जहां आम नागरिक त्योहार की तैयारियों में जुटे हैं, वहीं भीषण सूखे के कारण किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसी परिस्थिति में किसानों के त्योहार को खुशहाल बनाने के लिए एकनाथ शिंदे और शिवसैनिकों ने उनकी मदद करने का संकल्प लिया है। धाराशिव जिले के पालकमंत्री के रूप में एकनाथ शिंदे ने सूखाग्रस्त किसानों को दिवाली के अवसर पर आवश्यक सामग्री और राशन उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसी घोषणा के अनुरूप किसानों तक दिवाली की भेंट पहुंचाने के लिए राशन से भरे ट्रकों को रवाना किया गया। अन्नदाता किसानों के प्रति समर्पित पहल इस पहल के पीछे किसानों के प्रति सम्मान और उनके संकट में साथ खड़े रहने की भावना को प्रमुख बताया गया। किसान कड़ी धूप और बारिश की परवाह किए बिना खेतों में मेहनत कर अन्न उपजाता है और पूरे समाज का पेट भरता है। ऐसे अन्नदाता को सूखे जैसी प्राकृतिक आपदा के समय अकेला नहीं छोड़ना चाहिए।

इसी भावना के साथ शिवसेना की ओर से किसानों को दिवाली के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके परिवार भी त्योहार मना सकें। किसानों के साथ खड़े रहने का संदेश इस अवसर पर किसानों की मेहनत और उनके योगदान को समर्पित करते हुए मदद को एक छोटी-सी भेंट बताया गया। शिवसेना की इस पहल का उद्देश्य सूखे से प्रभावित किसानों के परिवारों को दिवाली के अवसर पर राहत पहुंचाना और उनके जीवन में खुशियों का संचार करना है। सूखे की चुनौती के बीच किसानों की दिवाली सुखद बनाने के लिए शुरू की गई यह पहल किसानों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देती है।

राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए घाटकोपर के कृष्णा सिंह का महाराष्ट्र टीम में चयन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर के कृष्णा शिवकुमार सिंह का 53वीं जूनियर बॉयज राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए महाराष्ट्र की कुमार वर्ग की टीम में चयन हुआ है। इस उपलब्धि से घाटकोपर के खेल जगत में खुशी का माहौल है। कृष्णा के चयन पर खेल प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। भारतीय शौकिया कबड्डी महासंघ की मान्यता से बिहार राज्य कबड्डी एसोसिएशन की ओर से 1 से 4 नवंबर 2026 तक बिहार में इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की टीमें हिस्सा लेंगी। इस दौरान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल दिखाने का अवसर मिलेगा। कृष्णा सिंह घाटकोपर के जय लहुजी क्रीड़ा मंडल की ओर से कबड्डी खेलते हैं। नियमित अभ्यास, मेहनत और खेल के प्रति लगन के दम पर उन्होंने महाराष्ट्र की टीम में अपनी जगह बनाई है। राज्य के विभिन्न जिलों से चयन प्रक्रिया के माध्यम से 15 प्रतिभाशाली कबड्डी खिलाड़ियों का महाराष्ट्र टीम के लिए चयन किया गया है। इनमें कृष्णा सिंह भी शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलने से कृष्णा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है। उनके चयन से जय लहुजी क्रीड़ा मंडल का गौरव बढ़ा है। कृष्णा की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए खेल प्रेमियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

विभीषण शरणागत, रामेश्वर स्थापना, सेतुबंधन और अंगद-रावण संवाद का भव्य मंचन

◆अंगद के ओजस्वी संवादों ने दर्शकों में भरा उत्साह, मथुरा की प्रसिद्ध फूलों की होली ने मोहा मन

बोरीवली (उत्तरशक्ति)। श्री आदर्श रामलीला उप समिति, बोरीवली के तत्वावधान में पं. रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान, बोरीवली (पश्चिम) में 29 अक्टूबर 2026 को आयोजित रामलीला महोत्सव में विभीषण शरणागत, रामेश्वर स्थापना, सेतुबंधन तथा अंगद-रावण संवाद के प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। कलाकारों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला के प्रथम प्रसंग में जब रावण ने माता सीता को भगवान श्रीराम के पास वापस लौटाने की विभीषण की सलाह ठुकरा दी, तब विभीषण लंका त्यागकर भगवान श्रीराम की शरण में पहुंच गए। भगवान श्रीराम ने विभीषण को शरण देकर अपने उदार, दयालु और करुणामय स्वभाव का परिचय दिया। इस प्रसंग के माध्यम से सत्य, धर्म और शरणागत की रक्षा का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।

इसके बाद समुद्र तट पर भगवान श्रीराम द्वारा रामेश्वर शिवलिंग की स्थापना का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। वहीं, नल-नील के नेतृत्व में वानर सेना द्वारा समुद्र पर सेतु निर्माण का मनोहारी मंचन हुआ। सेतुबंधन के दृश्य ने एकता, सहयोग, दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयास की महत्ता को उजागर किया। अंगद-रावण संवाद ने बांधा समां रामलीला के अगले प्रसंग में युवराज अंगद भगवान श्रीराम के दूत बनकर रावण के दरबार में पहुंचे। उन्होंने रावण को अहंकार त्यागने, माता सीता को सम्मानपूर्वक भगवान श्रीराम के पास लौटाने तथा शत्रुता छोड़कर प्रभु की शरण में आने की सलाह दी। अंगद और रावण के बीच हुए ओजस्वी संवाद का कलाकारों ने प्रभावशाली ढंग से मंचन किया। अंगद के दृढ़ संकल्प और वीरतापूर्ण संवादों ने दर्शकों में विशेष उत्साह पैदा कर दिया। मथुरा की फूलों की होली बनी आकर्षण का केंद्र रामलीला महोत्सव के दौरान मथुरा की प्रसिद्ध फूलों की होली का भी आकर्षक मंचन किया गया। रंग-बिरंगे फूलों और भक्तिमय वातावरण से सजे इस प्रसंग का दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। धार्मिक प्रसंगों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। अतिथियों का हुआ स्वागत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वसई जनता सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष यशवंत पाटिल, बैंक के निदेशक आनंद राव पाटिल तथा भारत सरकार के काउंसिल एडवोकेट सिद्धार्थ शाह उपस्थित रहे। इसके अलावा समिति की कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. विनोद मिश्रा और प्रवीण अग्रवाल भी कार्यक्रम में शामिल हुए। समिति के अध्यक्ष एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि अहंकार और अधर्म का अंत निश्चित है, जबकि सत्य, भक्ति, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति की सदैव विजय होती है। रामलीला के इन प्रसंगों ने दर्शकों को धार्मिक आस्था के साथ-साथ जीवन में सत्य, विनम्रता, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

के.सी. बोकाडिया ने मीडिया के साथ मनाया संस्कार की सफलता का जश्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बड़े पर्दे पर कई यादगार फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद, दिग्गज फिल्ममेकर के.सी. बोकाडिया अब अपने पारिवारिक धारावाहिक संस्कार के माध्यम से टेलीविजन दर्शकों का दिल जीत रहे हैं। धारावाहिक को मिल रहे प्यार और सराहना के बीच उन्होंने मुंबई में मीडिया के साथ केक काटकर इसकी सफलता का जश्न मनाया और अपनी खुशी साझा की।

संस्कार का प्रसारण डीडी नेशनल पर सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे होता है। पारिवारिक रिश्तों, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित यह धारावाहिक दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। अपने टेलीविजन धारावाहिक सरदार- द गेम चेंजर के बाद के.सी. बोकाडिया संस्कार के जरिए टेलीविजन की दुनिया में अपनी रचनात्मक यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं। धारावाहिक को मिल रही प्रतिक्रियाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने मीडिया से बातचीत की और इसके पीछे अपनी सोच साझा की। बीएमबी प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रस्तुत संस्कार एक मल्टी-स्टारर पारिवारिक ड्रामा है। इसे के.सी. बोकाडिया ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि इसके निमार्ता राजेश बोकाडिया और के.सी. बोकाडिया हैं। धारावाहिक में दर्शन जरीवाला, जरीना वहाब, अमन वर्मा, मुग्धा गोडसे, राकेश बेदी, पंकज बेरी, महेश ठाकुर, सुप्रिया कार्निक और राजेश खेरा सहित तीन दर्जन से अधिक कलाकार नजर आ रहे हैं।

जिला परिषद पालघर में लिया गया भ्रष्टाचार विरोधी शपथ व पारदर्शी प्रशासन का संकल्प

समृद्धि के लिए ईमानदारी की थीम पर 1 नवंबर तक मनाया जा रहा सतर्कता जागरूकता सप्ताह

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के मूल्यों को बढ़ावा देने तथा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पालघर जिला परिषद में भ्रष्टाचार विरोधी शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक मनाये जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत अधिकारियों और कर्मचारियों ने ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम समृद्धि के लिए ईमानदारी रखी गई है। इसके माध्यम से शासन, नागरिकों और निजी क्षेत्र के बीच समन्वय स्थापित कर भ्रष्टाचार के खिलाफ सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहते हुए ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के उच्च मानकों का पालन करने तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। शपथ के दौरान जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी और कानून का पालन करने, न रिश्वत लेने और न देने, सभी कार्य पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से करने तथा जनहित को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई गई। साथ ही अपने आचरण से सत्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत करने और भ्रष्टाचार से संबंधित किसी भी घटना की जानकारी उचित प्राधिकरण को देने का संकल्प लिया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इनमें ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामसभाओं एवं जनजागृति बैठकों का आयोजन, अधिकारियों-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम, लोककला के माध्यम से प्रचार-प्रसार तथा नागरिकों को ऑनलाइन सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। इसके अलावा लंबित शिकायतों और मामलों का निपटारा, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाना, डिजिटल प्रक्रियाओं को प्रोत्साहन देना तथा ठेका प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसे प्रतिबंधात्मक सतर्कता उपायों पर भी ध्यान दिया जायेगा। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों और प्रशासन के बीच विश्वास मजबूत करने तथा ईमानदार कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, अतिरिक्त मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी में सरेराह महिला से छेड़छाड़, अश्लील बातें कर नकली बंदूक दिखाने का आरोप

◆महिला के परिजनों ने आरोपी को पकड़कर की पिटाई
◆पुलिस के हवाले किया; छर्रे वाली बंदूक जब्त, आरोपी भरत जाधव हिरासत में

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी इलाके में एक महिला से सरेराह छेड़छाड़ करने, अश्लील बातें करने और नकली बंदूक दिखाकर धमकाने का मामला सामने आया है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। महिला के परिजनों ने आरोपी युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की और बाद में उसे कोलसेवाड़ी पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी की पहचान भरत जाधव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने उसके पास से छर्रे वाली बंदूक जब्त कर उसे हिरासत में लिया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। बताया जा रहा है कि भरत जाधव जिम ट्रेनर है। इसके अलावा, आरोपी की पत्नी द्वारा कोलसेवाड़ी इलाके में उसके खिलाफ कथित धोखाधड़ी के आरोपों वाले पोस्टर लगाए जाने की जानकारी भी सामने आई है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला से छेड़छाड़ और बंदूक दिखाकर धमकाने के आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

उत्तन श्मशानभूमि का काम जल्द शुरू करने के निर्देश

◆मीरा-भायंदर में महिला छात्रावास और उमेद मॉल के लिए जमीन तलाशने का आदेश
◆मंत्री प्रताप सरनाईक ने विकास कार्यों को गति देने पर दिया जोर; ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय में हुई महत्वपूर्ण बैठक

ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे जिले में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 को ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में महाराष्ट्र के मंत्री प्रताप सरनाईक ने उत्तन स्थित श्मशानभूमि का काम जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही, मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में महिला छात्रावास और उमेद मॉल के निर्माण के लिए उपयुक्त जमीन तलाशने के आदेश संबंधित अधिकारियों को दिए। महिला छात्रावास और उमेद मॉल के लिए जमीन की तलाश बैठक में मीरा-भायंदर क्षेत्र में महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास की व्यवस्था करने के उद्देश्य से महिला छात्रावास के निर्माण पर चर्चा की गई। इसके अलावा उमेद मॉल के निर्माण के लिए उपयुक्त भूखंड उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श हुआ।

मंत्री प्रताप सरनाईक ने संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध जमीन की जांच करने और आवश्यक प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उत्तन श्मशानभूमि का काम जल्द शुरू करने पर जोर उत्तन स्थित श्मशानभूमि के काम में तेजी लाने और निर्माण कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए। संबंधित विभागों को आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने तथा आपसी समन्वय के साथ आगे बढ़ने को कहा गया, ताकि इस महत्वपूर्ण नागरिक सुविधा का काम बिना अनावश्यक देरी के शुरू हो सके। ठाणे और मीरा-भायंदर के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में ठाणे और मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं और लंबित समस्याओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

प्रदीप पूर्णेकर हत्याकांडः एकनाथ शिंदे को बदनाम करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं करेंगे, सड़क पर उतरेंगे शिवसैनिकः विधायक राजेश मोरे

मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर पूर्णेकर परिवार में नाराजगी, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। ठाणे के प्रदीप पूर्णेकर हत्याकांड को एक महीना बीत जाने के बावजूद मुख्य सूत्रधार की गिरफ्तारी नहीं होने से पूर्णेकर परिवार में नाराजगी है। वहीं, इस मामले को लेकर विपक्ष की ओर से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की जा रही आलोचना के बीच शिवसेना विधायक राजेश मोरे ने डोंबिवली में पत्रकार परिषद लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। विधायक राजेश मोरे ने कहा कि प्रदीप पूर्णेकर के परिवार को शिवसेना का पूरा समर्थन है। इस हत्याकांड की जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और बिना किसी दबाव के होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्य सूत्रधार को जल्द गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाना चाहिए। मोरे ने आरोप लगाया कि विपक्ष इस मामले के जरिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, एकनाथ शिंदे हमारे दैवत हैं। यदि उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया गया, तो शिवसैनिक चुप नहीं बैठेंगे और सड़क पर उतरकर विरोध करेंगे। विधायक राजेश मोरे ने विपक्ष को चेतावनी देते हुए कहा कि हत्या के मामले में निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को न्याय मिलना जरूरी है, लेकिन राजनीतिक कारणों से एकनाथ शिंदे को निशाना बनाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाराणसी कैंट में तेंदुए की दहशत पिंजरा लगा, ड्रोन से तलाश जारी स्कूलों पर भी पड़ा असर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के छावनी क्षेत्र में तेंदुए जैसे वन्यजीव की मौजूदगी की आशंका ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। वन विभाग ने बंगला नंबर 61 में पिंजरा लगाकर तलाश अभियान चलाया, वहीं संभावित ठिकानों की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरे की भी मदद ली गई। हालांकि, देर शाम तक वन्यजीव का कोई ठोस सुराग नहीं मिला और उसकी मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं हो सकी।

अलग-अलग इलाकों में दिखने की चर्चा, वन विभाग को नहीं मिला पुख्ता सुराग: छावनी क्षेत्र में कथित वन्यजीव को लेकर चचाएं तेज हैं। कुछ लोगों ने वरुणा पुल के आसपास तो कुछ ने कैंट के अन्य हिस्सों में उसे देखने की बात कही है। वन विभाग के अनुसार, इन सूचनाओं की पुष्टि के लिए जांच की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस प्रमाण हाथ नहीं लगा है। वन क्षेत्राधिकारी संजय कुमार के मुताबिक, बंगला नंबर 61 में पिंजरा लगाने के साथ संभावित ठिकानों की तलाशी ली गई। ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता, स्कूल बंद होने की सूचना: वन्यजीव की आशंका के बीच बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक चिंतित हैं। सेंट मेरीज कॉन्वेंट स्कूल के बाद छावनी परिषद के विद्यालय को भी बंद किए जाने की जानकारी सामने आई है। इससे पहले सेंट मेरीज कॉन्वेंट स्कूल परिसर में वन्यजीव दिखाई देने की सूचना पर वन विभाग और छावनी परिषद की टीमों ने आसपास तलाश की थी। 39 जीटीसी परिसर में भी संभावित ठिकानों की जांच की गई थी। कैमरों की मदद से भी सुराग तलाशने का प्रयास किया गया, लेकिन अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

बंगला नंबर 42, 43 और 61 की घनी झाड़ियों में तलाशी की मांग: स्थानीय लोगों ने बंगला नंबर 42, 43 और 61 के आसपास फैली घनी झाड़ियों में व्यापक तलाशी अभियान चलाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि जब तक वन्यजीव की मौजूदगी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक इलाके में भय और असमंजस बना रहेगा। फिलहाल वन विभाग की तलाश जारी है, लेकिन तेंदुए की मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में लोगों से अपील है कि अपुष्ट खबरों को फैलाने से बचें। यदि कोई जंगली जानवर दिखाई दे तो उसके करीब न जाएं, न ही उसे घेरने या पकड़ने की कोशिश करें। सुरक्षित दूरी बनाए रखें और तुरंत वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को सूचना दें।

दो तहसीलों की कमान संभाल रहीं आबकारी निरीक्षक देविका शुक्ला कार्यशैली की हो रही सराहना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आबकारी विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहीं आबकारी निरीक्षक देविका शुक्ला इन दिनों अपनी कार्यशैली को लेकर चर्चा में हैं। वर्तमान में वह जौनपुर सदर और मछलीशहर दोनों तहसीलों के आबकारी विभाग की कमान संभाल रही हैं। दो दो तहसीलों का कार्यभार होने के बावजूद विभागीय जिम्मेदारियों के निर्वहन को लेकर उनके प्रयासों की सराहना की जा रही है।

शासन की मंशा के अनुरूप आबकारी नियमों का पालन सुनिश्चित करना शराब की बिक्री पर प्रभावी निगरानी रखना और निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर शराब की बिक्री यानी ओवरप्राइसिंग पर अंकुश लगाना विभाग की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल है। इन मानकों के मद्देनजर देविका शुक्ला के कार्यक्षेत्र की स्थिति चर्चा का विषय बनी हुई है।

त्योहारों के दौरान भी निगरानी पर जोर: त्योहारों के दौरान कई जनपदों से शराब की ओवरप्राइसिंग निर्धारित समय से पहले या बाद में बिक्री तथा अवैध शराब के कारोबार से संबंधित शिकायतें सामने आती रहती हैं। ऐसे समय में आबकारी विभाग की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। जौनपुर जिले में इन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के प्रयासों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार जौनपुर सदर और मछलीशहर क्षेत्र में निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर शराब की बिक्री समय से पहले अथवा निर्धारित समय के बाद बिक्री और अवैध शराब की बिक्री से संबंधित कोई शिकायत संज्ञान में नहीं आई है। विभागीय निगरानी और नियमों के अनुपालन की दिशा में दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बनती है। ऐसे में निर्धारित दरों पर बिक्री सुनिश्चित करना आबकारी विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दोनों तहसीलों में इस दिशा में निगरानी और विभागीय सक्रियता को लेकर सकारात्मक चर्चा हो रही है।

जौनपुर सदर और मछलीशहर में आबकारी विभाग की जिम्मेदारी त्योहारों पर ओवरप्राइसिंग समय से पहले बाद बिक्री और अवैध शराब पर नियंत्रण को लेकर चर्चा में कार्यप्रणाली

आबकारी निरीक्षक देविका शुक्ला के योगदान को सराहनीय बताया जा रहा है।

ओवरप्राइसिंग पर नियंत्रण उपभोक्ताओं को राहत: शराब की

देविका शुक्ला के सामने दो तहसीलों की जिम्मेदारी संभालने के साथ आबकारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने की चुनौती भी है। ऐसे में त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था के अनुरूप शराब की बिक्री निर्धारित समय का पालन और अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के प्रयासों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कुल मिलाकर जौनपुर सदर और मछलीशहर में आबकारी विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहीं देविका शुक्ला की कार्यशैली को विभागीय दायित्वों के निर्वहन के संदर्भ में सराहना मिल रही है। हालांकि, शिकायतों की स्थिति और कार्रवाई संबंधी आधिकारिक आंकड़े सामने आने पर विभाग के कार्यों का अधिक स्पष्ट आकलन किया जा सकेगा।

राम-भरत मिलाप प्रसंग सुन भावुक हुए श्रद्धालु, त्याग और भ्रातृप्रेम का मिला संदेश

बीआरपी इंटर कॉलेज में श्रीराम कथा का आठवां दिन, भरत के त्याग और समर्पण का हुआ भावपूर्ण वर्णन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीआरपी इंटर कॉलेज परिसर में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के आठवें दिन कथा व्यास पूज्य शांतनु जी महाराज ने राम-भरत मिलाप का भावपूर्ण वर्णन किया। प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। महाराज ने भाइयों के प्रेम, त्याग, समर्पण और मयार्दा का संदेश दिया।

उन्होंने बताया कि श्रीराम के वनवास और महाराज दशरथ के निधन की जानकारी मिलने पर भरत जी अत्यंत दुखी हुए। उन्होंने श्रीराम को अयोध्या वापस लाने का संकल्प लिया और गुरुजनों, माताओं तथा अयोध्यावासियों के साथ वन की ओर प्रस्थान किया।

भरत जी को सेना के साथ आते देखकर लक्ष्मण जी को संदेह हुआ, लेकिन श्रीराम ने उन्हें भरत के अपार

प्रेम का स्मरण कराया। दोनों भाइयों का मिलन हुआ तो वहां उपस्थित लोग भावुक हो उठे।

भरत जी ने श्रीराम से अयोध्या लौटकर राजपाट संभालने का आग्रह किया, लेकिन श्रीराम ने पिता के वचन को सर्वोपरि बताते हुए वनवास पूरा करने की बात कही। अंततः भरत जी श्रीराम की चरण पादुका लेकर अयोध्या लौटे और उसे राजसिंहासन पर स्थापित किया। उन्होंने स्वयं नंदीग्राम में रहकर तपस्वी जीवन बिताने तथा चौदह वर्षों तक श्रीराम की प्रतीक्षा करने का संकल्प लिया।

महाराज शांतनु जी ने कहा कि भरत का जीवन त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और पारिवारिक प्रेम की अनुपम

मिसाल है। राम-भरत मिलाप का प्रसंग समाज को आपसी प्रेम, सम्मान और मयार्दा के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

कथा में रीता बहुगुणा, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, राज्यसभा सांसद साधना सिंह, अमरजीत सिंह, हरिकेश प्रताप सिंह, जगदंबा पाल, रजनीकांत तिवारी, अरुण प्रजापति, प्रमोद सिंह, बृजेश सिंह, संतोष सिंह, सत्या विकास सिंह, रोहित सोलंकी, संजीव सिंह, अभिषेक शुक्ला, भुवनेश्वर सिंह, दीपक सिंह, सुनील सिंह और आशुतोष सिंह बब्लू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आमने-सामने भिड़ीं दो बाइक, युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

शुभम कुमार यादव, गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के चोरसंड गांव के पास बुधवार रात करीब 10 बजे जौनपुर मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में गुब्बारा बेचकर लौट रहे 35 वर्षीय घनश्याम की मौत हो गई, जबकि 25 वर्षीय सैफ गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, चौकी पिलखुवा क्षेत्र निवासी घनश्याम मोटरसाइकिल से गुब्बारा बेचकर लौट रहे थे। इसी दौरान गौराबादशाहपुर कस्बा निवासी सैफ की मोटरसाइकिल से उनकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। हादसे में घनश्याम की मौत हो गई, जबकि घायल सैफ को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गुब्बारा बेचकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले घनश्याम की मौत की खबर से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

भाषण प्रतियोगिता में अभिनव कीर्ति पाण्डेय ने प्रथम

राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान स्थित आर्यभट्ट सभागार में गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना, विश्वविद्यालय परिसर के तत्वावधान में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'विकसित भारत @2047 : एकता, अखंडता एवं राष्ट्र निर्माण' था। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनुराग मिश्र द्वारा विषय प्रवर्तन के साथ हुआ। उन्होंने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के महत्व, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता और नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन विकसित भारत के निर्माण के प्रमुख आधार हैं।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने विचारों एवं तर्कों के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता तथा युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया।

निर्णायक मंडल द्वारा घोषित परिणाम के अनुसार अभिनव कीर्ति पाण्डेय ने प्रथम, प्रिया मौर्य ने द्वितीय तथा जाह्नवी सिंह और मंगेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनुराग मिश्र, डॉ. परमेंद्र विक्रम सिंह, डॉ.

अजय मौर्य, डॉ. श्वेता पांडेय एवं डॉ. सुरेंद्र सिंह उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रति जागरूक रहने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागी 31 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने भाषण प्रस्तुत करेंगे। यह आयोजन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रति संकल्प को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

आईआईटी गुवाहाटी में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी के छात्र अंकित तिवारी और पीयूष मौर्य ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी में आयोजित हैकाथॉन में प्रतिभाग कर अपनी तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय लौटने पर कुलपति कार्यालय में गुरुवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई दी उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी निरंतर अपने तकनीकी कौशल को विकसित करते रहें और नई तकनीकों को सीखकर नवाचार की दिशा में आगे बढ़ें। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को ऐसे अवसरों पर निरंतर सहयोग प्रदान करता रहेगा।

दोनों विद्यार्थियों ने आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित हैकयार्ड हैकाथॉन में भाग लिया और सहभागिता का प्रमाणपत्र प्राप्त किया। इसके साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के दौरान आयोजित एजेंट-37 प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने एक वेबसाइट विकसित की, जिसके माध्यम से उन्होंने अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और वेबसाइट निर्माण की क्षमता का प्रदर्शन किया। उनकी सहभागिता के लिए उन्हें एजेंट-37 की टी-शर्ट भी प्रदान की गई।

विद्यार्थियों ने बताया कि आईआईटी गुवाहाटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में आयोजित तकनीकी प्रतियोगिताओं में भाग लेना हमारे लिए सीखने और अपने कौशल को निखारने का महत्वपूर्ण अवसर रहा। इस अनुभव से उन्हें परियोजना विकास, टीम भावना, समस्या समाधान और नवाचार के क्षेत्र में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई।

पुलिस मौके पर पहुंची, महिला को सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के डमरुआ गांव में करवा चौथ के दिन एक महिला के टावर पर चढ़ जाने से गांव में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को समझाकर सुरक्षित नीचे उतारने का

प्रयास शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, करवा चौथ के व्रत को लेकर महिला की नाराजगी की बात सामने आ रही है। हालांकि, महिला के टावर पर चढ़ने के वास्तविक कारणों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सिकरारा थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए महिला की सुरक्षा को प्राथमिकता दी और उसे समझाने का प्रयास किया। इस दौरान घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा होने से अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। फिलहाल, महिला को सुरक्षित नीचे उतारे जाने और घटना के वास्तविक कारणों के संबंध में आधिकारिक जानकारी मिलने का इंतजार है।

केराकत में फर्जी पत्रकारों का मकड़जाल

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील और कोतवाली परिसर में इन दिनों तथाकथित और फर्जी पत्रकारों का जमावड़ा आम जनता के लिए सिरदर्द बन चुका है। पत्रकारिता के नाम पर दलाली का ऐसा तंत्र सक्रिय है, जो रोज इंसाफ और मदद की उम्मीद लेकर आने वाले गरीब, लाचार और परेशान फरियादियों को अपना शिकार बना रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, ये तथाकथित पत्रकार सुबह होते ही तहसील और थाने के चक्कर काटने लगते हैं। जैसे ही कोई फरियादी रोता-बिलखता या परेशान हाल में पहुंचता है, ये उसे घेर लेते हैं। खुद को किसी बड़े पत्रकार संगठन का पदाधिकारी बताकर और सिपाही, मुंशी, कोतवाल से लेकर एसडीएम व तहसीलदार तक गहरी पैठ का दावा किया जाता है। विश्वास पक्का करने के लिए ये मोबाइल में अफसरों व कर्मचारियों के साथ खिंचवाई गई तस्वीरें दिखाकर फरियादी को झांसे में ले लेते हैं।

फरियादी के जाल में फंसते ही सौदेबाजी का खेल शुरू होता है। मामले की गंभीरता और व्यक्ति की

तहसील और थाने पर फरियादियों को फंसाकर हो रही मोटी वसूली

बेबसी देखकर वसूली की रकम तय की जाती है। जो फरियादी जितना ज्यादा परेशान दिखता है, उससे उतनी ही मोटी रकम ऐंठ ली जाती है। संयोगवश किसी का सामान्य काम अगर सरकारी प्रक्रिया के तहत हो गया, तो ये उसका पूरा श्रेय खुद लेकर निकल जाते हैं। वहीं, अधिकांश मामलों में काम न होने पर भी पीड़ितों के पैसे हजम कर लिए जाते हैं।

ठगी का शिकार होने के बाद भी पीड़ित चाहकर भी इन जालसाजों के खिलाफ आवाज नहीं उठा पाते। आम लोगों के मन में यह खौफ बना रहता है कि इन तथाकथित पत्रकारों की पहुंच के आगे उनकी सुनवाई नहीं होगी, बल्कि शिकायत करने पर वे किसी नई प्रशासनिक या कानूनी मुसीबत में फंस सकते हैं। मजबूरी में लोग चुपचाप नुकसान सहकर बैठ जाते हैं।

परिसर में रोज चल रहे इस गोरखधंधे से न केवल असली व निष्पक्ष पत्रकारिता की साख पर बट्टा लग रहा है, बल्कि प्रशासनिक छवि भी धूमिल हो रही है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पूर्व तहसील अध्यक्ष संजय शुक्ल सहित अनेक जागरूक नागरिकों और वास्तविक मीडियाकर्मियों ने उच्चाधिकारियों से मांग की है कि तहसील और थाने के आसपास मंडराने वाले ऐसे संदिग्ध बिचौलियों व फर्जी पत्रकारों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि लाचार फरियादी ठगी का शिकार होने से बच सकें।

चेकिंग के दौरान 505 ग्राम हिरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

रोहनिया, वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस आयुक्त के निर्देश पर नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में रोहनिया पुलिस और एएनटीएफ वाराणसी की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली। डीसीपी वरुणा जोन के निर्देशन और एसीपी रोहनिया के नेतृत्व में अखरी बाईपास स्थित श्रीराज लक्ष्मी मैरेज लॉन के पास चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान अखरी चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र राजपूत ने एक संदिग्ध बाइक सवार

को रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगा, जिसे घेरकर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम चंद्रभूषण यादव निवासी जोगिनी थाना करमा सोनभद्र उम्र 25 वर्ष बताया। तलाशी में उसके पास से 505 ग्राम हिरोइन, 520 रुपये नकद और एक पल्सर बाइक बरामद हुई। थाना रोहनिया में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी राजू सिंह ने बताया कि अभियुक्त पर पहले से भी एनडीपीएस का मुकदमा दर्ज है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रो. रमेश मणि त्रिपाठी का लोकपाल पद पर कार्यकाल विस्तारित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में प्रो. रमेश मणि त्रिपाठी का लोकपाल पद पर कार्यकाल तीन वर्ष अथवा 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक विस्तारित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के आदेश के अनुपालन में 27 अक्टूबर 2026 को इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया गया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्रों की शिकायत का निवारण) विनियम, 2023 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रो. रमेश मणि त्रिपाठी को 23 अगस्त 2023 को लोकपाल नियुक्त किया गया था। वह जौनपुर स्थित कुटीर पीजी कॉलेज, चक्के के पूर्व प्राचार्य एवं संकायाध्यक्ष रह चुके हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उनका कार्यकाल तीन वर्ष अथवा 70 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, विस्तारित किया गया है।

सोशल मीडिया पर असलहे के प्रदर्शन का मामला, राहुल राजभर के खिलाफ नई एफआईआर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर असलहे के साथ कथित तौर पर फोटो वायरल होने के मामले में लाइन बाजार थाना पुलिस ने राहुल राजभर के खिलाफ आयुध अधिनियम की धारा 25 के तहत एक और मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 को रात 8:22 बजे मुकदमा संख्या 0457/2026 दर्ज किया गया। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वायरल तस्वीर में राहुल राजभर नामक व्यक्ति कथित रूप से पिस्टल के साथ दिखाई दे रहा है। हालांकि, तस्वीर की वास्तविकता, हथियार की प्रकृति और उसकी वैधता की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस की कार्रवाई सोशल मीडिया पर हथियारों के कथित प्रदर्शन से जुड़े मामले में की गई है।

कई अन्य मुकदमों में भी नाम आने की जानकारी उपलब्ध पुलिस अभिलेखों से

लाइन बाजार पुलिस ने आयुध अधिनियम के तहत की कार्रवाई, गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी; अन्य मामलों की भी जांच

मिली: जानकारी के मुताबिक, राहुल राजभर का नाम लाइन बाजार थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 0505/2025, 0509/2025 और 0471/2025 में भी बताया गया है। इनमें कुछ अन्य अज्ञात व्यक्तियों का उल्लेख भी है। इसके अलावा गौराबादशाहपुर थाने में मुकदमा संख्या 0225/2026 तथा लाइन बाजार थाने में मुकदमा संख्या 0280/2026 में भी उसका नाम शामिल होने की जानकारी सामने आई है। इन मामलों में अन्य अज्ञात व्यक्तियों का भी उल्लेख बताया गया है।

गिरफ्तारी के लिए दबिश देने का दावा: प्राप्त जानकारी के अनुसार, राहुल राजभर की गिरफ्तारी के लिए लाइन बाजार थाना पुलिस दबिश दे रही है। अन्य संभावित सहयोगियों की पहचान और तलाश किए जाने की भी जानकारी मिली है। समाचार लिखे जाने तक राहुल राजभर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

हालांकि, पूर्व के मुकदमों में विवेचना की वर्तमान स्थिति, गिरफ्तारी के प्रयासों और अन्य नामजद अथवा अज्ञात आरोपियों के संबंध में पुलिस का विस्तृत आधिकारिक पक्ष उपलब्ध नहीं हो सका। सभी मामलों में आरोपों की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के तहत ही होगी।

एसएसपी डॉ. यशवीर सिंह ने की जनसुनवाई, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने

गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा पीड़ितों को प्राथमिकता के आधार पर न्यायोचित सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता बरतने और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

यूपी के पूर्व मंत्री लक्ष्मीशंकर यादव की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य, प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व.लक्ष्मीशंकर यादव की 30 वी पुण्यतिथि के अवसर पर खुटहन थाना अंतर्गत स्थित विशुनपुर चौराहे पर स्थापित लक्ष्मीशंकर की प्रतिमा पर कांग्रेसियों ने माल्यार्पण, हवन पूजन कर विधि विधान से श्रद्धांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने कहा कि स्व. लक्ष्मीशंकर संविधान सभा में सदस्य,अंतरिम संसद में सदस्य, छः बार विधायक के रुप में देश प्रदेश को अपनी सेवाएं दी। स्व. यादव ने प्रदेश सरकार में छः बार कैबिनेट मंत्री के रुप में स्वास्थ्य, सहकारिता,एवं लोकनिर्माण व सिंचाई के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किया है। राकेश मिश्रा ने स्व.लक्ष्मीशंकर यादव को विकास का अग्रदूत बताते हुए आगे कहा कि लक्ष्मीशंकर यादव ने जौनपुर जनपद

सहित पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछा दिया था, बतौर लोकनिर्माण मंत्री के रूप में पूरे प्रदेश में नदियों पर पुल और स्कूलों का भी निर्माण कराया। वे गांधीवादी और उदार प्रवृत्ति के जननेता थे? कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं लक्ष्मीशंकर यादव के पुत्र विजय यादव ने कहा कि पूज्य पिताजी राजनैतिक संत थे, उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए समाज और प्रदेश का विकास समान रुप से बिना भेदभाव से किया था, शिक्षा के क्षेत्र में उनकी कार्य करने की विशेष रुचि रहती थी। इस मौके पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी खुटहन के अध्यक्ष के विपिन शर्मा, पूर्व उप ब्लाक प्रमुख विश्राम राम, पूर्व प्रधान राजेन्द्र प्रसाद मिश्र,ओमप्रकाश यादव, दलसिंगर यादव, ठाकुर प्रसाद यादव, राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, प्यारेलाल यादव, कमलेश रजक प्रधान, ईश्वरदेव यादव, ठाकुर प्रसाद यादव, डा.राम आसरे, सत्यम तिवारी, संजय सिंह, हौशिला प्रसाद यादव, ऋषीदेव यादव, अरविंद कुमार, शिवानंद, अंशुमन यादव अजीत यादव , संकटा प्रसाद यादव, मुहम्मद अरशद, श्रीराम शास्त्री सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कपड़े के गोदाम में लगी आग, मचा हड़कंप, मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी,आग बुझाने का प्रयास जारी;

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के अतिव्यस्त इलाके में नगर पालिका परिषद के पीछे स्थित कपड़े के एक गोदाम में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।आग की लपटें देखकर आसपास के लोग अपनी-अपनी छतों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास करते नजर आए। सूचना पर दमकल की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया।

बिंगो टेधे मेधे ने दुर्गा पूजा में पेश किया अबोल तबोल अदाखाना

पटना। बिंगो टेधे मेधे ने राजदंगा नाबा उदय संघ पूजा पंडाल में अबोल तबोल अदाखाना पेश किया है। सुकुमार रे की क्लासिक बंगाली रचना अबोल तबोल से प्रेरित यह पहल उनके विचित्र और मजेदार किरदारों को दुर्गा पूजा के उत्सव में जीवंत रूप देती है। इसका उद्घाटन अभिनेत्री डीतिप्रिया रॉय ने किया। इस अनुभव में हुकोमुखो ह्यांगला, कुमरोपोटाश, हंसजारू और रामगोरेर छाना जैसे लोकप्रिय किरदारों के साथ इंटरैक्टिव गेम्स, लाइव परफॉर्मेंस और एआई आधारित डिजिटल नाम डाक जोन शामिल हैं। धुनुची धूमक्का, धाकर ताले तेधे मेधे गेम के जरिये आगंतुक दुर्गा पूजा की पारंपरिक ध्वनियों और अबोल तबोल की कल्पनाशील दुनिया का आनंद ले सकते हैं। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, अतुल पुजार, उपाध्यक्ष और विपणन प्रमुख - स्नैक्स, नूडल्स और पास्ता, आईटीसी लिमिटेड ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अबोल तबोल की अनोखी दुनिया को दुर्गा पूजा के साथ जोड़ना और लोगों को अपनी विशिष्टता अपनाने, हंसी साझा करने तथा यादगार अनुभव बनाने का अवसर देना है। अभिनेत्री डीतिप्रिया रॉय ने कहा कि ह्यअबोल तबोल अदाखानाह्ल में ऐसा महसूस होता है, जैसे इसकी कल्पनाशील दुनिया में कदम रख दिया हो। उन्होंने किरदारों, खेलों, ढाक और उत्साह से भरे इस अनुभव को दोस्तों और परिवार के साथ दुर्गा पूजा मनाने का अनोखा तरीका बताया।

BD Soft ने महाराष्ट्र में अपने साइबर सुरक्षा नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की

मुंबई। भारत के अग्रणी साइबर सुरक्षा वितरकों में से एक, BD SoftwÔre, महाराष्ट्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है और 50 से अधिक नए चैनल पार्टनर्स को अपने नेटवर्क से जोड़ने की योजना बना रहा है। यह विस्तार ऐसे समय में किया जा रहा है, जब राज्य भर के व्यवसाय क्लाउड प्लेटफॉर्म, कनेक्टेड सिस्टम और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से अपना रहे हैं, जिससे अधिक व्यापक और विशेषीकृत साइबर सुरक्षा क्षमताओं की मांग बढ़ रही है। महाराष्ट्र में लगभग 87.4 लाख पंजीकृत MSMEs हैं, जो भारत के कुल पंजीकृत MSMEs का 13.2% हिस्सा हैं। यह राज्य को साइबर सुरक्षा समाधानों के लिए एक बड़ा और विविधतापूर्ण बाजार बनाता है। महाराष्ट्र का व्यावसायिक परिवेश वित्तीय सेवाओं, IT, ऑटोमोटिव, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स और बड़ी संख्या में SME/MSME इकाइयों तक फैला हुआ है। महाराष्ट्र के प्रमुख शहरों, उभरते व्यावसायिक केंद्रों और औद्योगिक क्षेत्रों में व्यवसाय जैसे-जैसे डिजिटल तकनीकों को तेजी से अपना रहे हैं, उनकी सुरक्षा संबंधी जरूरतें भी अधिक जटिल होती जा रही हैं। IT, मैन्युफैक्चरिंग और BFSI, BD Soft के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र बने रहेंगे, क्योंकि ये क्षेत्र कनेक्टेड इंफ्रास्ट्रक्चर, संवेदनशील डेटा और डिजिटल रूप से संचालित कार्यप्रणालियों पर निर्भर हैं इस विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, देवेंद्र सारफ, रीजनल बिजनेस हेड, BD Software Distribution Pvt. Ltd ने कहा, जैसे-जैसे हम विकास के अगले चरण की ओर बढ़ रहे हैं, प्रमुख क्षेत्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना हमारी व्यापक चैनल रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। महाराष्ट्र हमारे लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र होगा, जहां हम पार्टनर्स के साथ बेहतर जुड़ाव बनाने, क्षेत्रीय क्षमताओं को मजबूत करने और एक अधिक सशक्त एवं परस्पर जुड़ा हुआ साइबर सुरक्षा इकोसिस्टम विकसित करने में निवेश करेंगे। हम उन पार्टनर्स के साथ काम करने की काफी संभावनाएं देखते हैं, जो स्थानीय व्यावसायिक परिवेश को समझते हैं और राज्य भर के संगठनों तक सही सुरक्षा क्षमताएं पहुंचाने में मदद कर सकते हैं।

श्रीमद् देवी भागवत कथा में सुषमा मिश्रा सम्मानित

वसई। नारी शक्ति भक्ति मंडल द्वारा आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ में श्रीमती सुषमा मिश्रा सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर उन्हें सम्मानित किया गया। परम पूज्य गुरुदेव पं. विकास कृष्ण शास्त्री के श्रीमुख से देवी भागवत कथा का श्रवण कर उन्होंने आध्यात्मिक आनंद एवं सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति की। इस अवसर पर सुषमा मिश्रा ने माँ भगवती से सभी भक्तों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सद्बुद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की। धार्मिक आयोजन में भक्ति, आध्यात्मिकता और सकारात्मक विचारों का संदेश दिया गया। वसई। नारी शक्ति भक्ति मंडल द्वारा आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ में श्रीमती सुषमा मिश्रा सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर उन्हें सम्मानित किया गया। परम पूज्य गुरुदेव पं. विकास कृष्ण शास्त्री के श्रीमुख से देवी भागवत कथा का श्रवण कर उन्होंने आध्यात्मिक आनंद एवं सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति की। इस अवसर पर सुषमा मिश्रा ने माँ भगवती से सभी भक्तों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सद्बुद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की। धार्मिक आयोजन में भक्ति, आध्यात्मिकता और सकारात्मक विचारों का संदेश दिया गया।

अर्नब चक्रवात के चलते अगर न दिखाई दे चांद तो कैसे पूरा करें करवा चौथ का व्रत,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अर्नब तूफान का असर दिखाई देने लगा है और सुबह से ही बूंदाबांदी का सिलसिला जारी है जिसे देख किसानों के चेहरे पर धान की पकी फसल के बर्बाद होने की चिंता सता रही है लेकिन किसानों के साथ-साथ करवा चौथ का व्रत रखने वाली सुहागिनें भी बृहस्पतिवार को इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अगर शाम को चांद न दिखाई दे तो व्रत कैसे पूरा होगा ? इसके लिए सबसे पहले अपने जनपद में चन्द्रोदय का समय पता करें और थोड़े इंतजार के बाद चांद न दिखाई दे तो निम्न विकल्प अपनायें जा पारम्परिक मान्यताओं के अनुसार चूंकि शिव जी के सिर पर चंद्रमा विराजमान होता है। ऐसे में शिव जी की पूजा कर चांद का स्मरण किया जा सकता है। दूसरे विकल्प के रूप में दीपक जलाकर प्रार्थना की जा सकती है। तीसरे विकल्प के रूप में चावल का चन्द्रमा बनाकर पूजा की जा सकती है। चौथे विकल्प के रूप में चांदी के सिक्के के माध्यम से पूजा की जा सकती है। पांचवें विकल्प के रूप में अपने किसी ऐसे करीबी के पास वीडियो काल करके चांद को देखा जा सकता है जहां आसमान में बादल न हों और चांद दिखाई दे रहा हो।

नालासोपारा की 41 जिला परिषद स्कूलों में शुरू होंगी डिजिटल कक्षाएं

नालासोपारा। नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र की 41 जिला परिषद स्कूलों के विद्यार्थियों को अब आधुनिक डिजिटल शिक्षा का लाभ मिलेगा। भाजपा विधायक राजन नाईक के विधायक निधि से इन स्कूलों में डिजिटल कक्षाएं तैयार की गई हैं। इन डिजिटल कक्षाओं का उद्घाटन विधायक राजन नाईक ने किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थियों को तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। इसके तहत चयनित 41 जिला परिषद स्कूलों में डिजिटल बोर्ड और अन्य आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इस अवसर पर विधायक राजन नाईक ने कहा कि आज के दौर में डिजिटल शिक्षा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है। विद्यार्थियों को कम उम्र से ही आधुनिक तकनीक से परिचित कराना जरूरी है। डिजिटल कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी और शिक्षकों को भी पढ़ाने के नए एवं प्रभावी तरीके अपनाने में मदद मिलेगी।उन्होंने कहा कि जिला परिषद स्कूलों को महानगरपालिका में शामिल कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक इन स्कूलों के विद्यार्थियों को बुनियादी सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। विधायक ने केंद्र सरकार की ई-विद्या, वन क्लास-वन चैनल, डिजिटल लैब और डिजिटल यूनिवर्सिटी जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि डिजिटल शिक्षा विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।डिजिटल बोर्ड और अन्य उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी अगले तीन वर्षों के लिए पुणे स्थित सुपरमाइंड इंस्टीट्यूट को सौंपी गई है। तकनीकी समस्या आने पर संस्थान की ओर से शिक्षकों और विद्यार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा।

कार्यक्रम में भाजपा जिला महासचिव मनोज बारोट, जिला नियोजन विभाग के अजय दलवी, सुपरमाइंड इंस्टीट्यूट की निदेशक अश्विनी भालेकर, समीर सालुंके, प्रोजेक्ट हेड शांतनु पवार, आशीष पाटिल सहित विभिन्न केंद्रों के प्रमुख, स्कूलों के प्रधानाचार्य और शिक्षक उपस्थित रहे। नेहरू विद्यालय की शिक्षिका रुचिता सूर्यवंशी ने डिजिटल शिक्षा को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक से विद्यार्थियों को जोड़ने के साथ शिक्षकों को भी तकनीकी रूप से सक्षम बनाना जरूरी है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन डिजिटल कक्षाओं से जिला परिषद स्कूलों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

कानून-व्यवस्था बनाए रखना पहली प्राथमिकता : चंदन कुमार

पीड़ितों की शिकायतों का होगा पारदर्शी निस्तारण, अराजक तत्वों पर होगी सख्त कार्रवाई

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। गौरा चौराहा थाने के नवागत प्रभारी निरीक्षक चंदन कुमार ने कहा कि थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। पीड़ितों और फरियादियों की शिकायतों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण किया जाएगा। वहीं, क्षेत्र का माहौल बिगाड़ने और कानून हाथ में लेने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ विधिसम्मत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह बातें पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं।

प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि शासन एवं विभागीय उच्चाधिकारियों के निदेशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाएगा। थाने में दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष और गहन विवेचना होगी, ताकि निर्दोष को परेशानी न हो और दोषियों को बख्शा न जाए। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का भी निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएगा।

उन्होंने पुलिसकर्मियों को थाने आने वाले फरियादियों के साथ शालीनता एवं मृदु व्यवहार करने के निर्देश दिए। चंदन कुमार ने कहा कि पुलिस थाना पीड़ितों की सहायता और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए है। किसी व्यक्ति द्वारा प्रभाव का दुरुपयोग कर अनुचित आर्थिक शोषण करने या किसी को अनावश्यक परेशान करने का मामला सामने आने पर साक्ष्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए निःसंकोच उनसे संपर्क करें।

डीजे के नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

त्योहारों और अन्य आयोजनों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का निर्धारित मानकों के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। उन्होंने लोगों से शिकायत पत्रों में सही तथ्यों का उल्लेख करने तथा आपसी विवादों में निराधार आरोप लगाने से बचने की अपील की।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि क्षेत्र में रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाया जाएगा। वह स्वयं भी गश्त कर कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही गांवों में चौपाल लगाकर लोगों को जागरूक करने तथा पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि आमजन का विश्वास जीतना और उनकी समस्याओं का ईमानदारी से समाधान करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

शाहिद कपूर, ईशान खट्टर और मीरा राजपूत ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 5 में मचाया दिवाली का धमाल

मुंबई। झिंगाट गाने पर शानदार डांस से लेकर परिवार के मजेदार राज खोलने तक, शाहिद और ईशान ने नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 5 में मीरा राजपूत के साथ पहली बार एक साथ आकर खूब धमाल मचाया। इस दिवाली नेटफ्लिक्स केह्यद ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 5 में हंसी-मजाक और मनोरंजन का धमाका और भी बड़ा होने वाला है।

रोशनी के इस त्योहार को खास बनाने के लिए शो में शाहिद कपूर, मीरा राजपूत और ईशान खट्टर एक खास एपिसोड में नजर आएंगे। दो भाई, दोनों तबाही के नाम से मशहूर दोनों भाइयों की जोड़ी दर्शकों को खूब हंसाएगी। इस एपिसोड में परिवार के मजेदार किस्से, खूब सारी मस्ती और मनोरंजन देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि शाहिद कपूर, मीरा राजपूत और ईशान खट्टर तीनों पहली बार ओटीटी पर एक साथ शो में नजर आएंगे। ऐसे में दिवाली का यह खास एपिसोड दर्शकों के लिए मनोरंजन से भरपूर होगा।

इन दोनों भाइयों ने झिंगाट गाने पर अपने शानदार डांस से मंच पर खूब धमाल मचाया। ईशान को बचपन से देखते आए शाहिद ने दोनों भाइयों के रिश्ते के बारे में एक मजेदार बात बताई। उन्होंने कहा, बचपन में मैंने इसके डायपर बदले हैं और बुढ़ापे में ये कह रहा है कि ये मेरे डायपर बदलेगा। बचपन में ईशान के डायपर बदलने से लेकर बुढ़ापे में एक-दूसरे की देखभाल करने की बात करने तक, दोनों भाइयों की इन बातों में उनका प्यार, मस्ती और एक-दूसरे की टांग खींचने का मजेदार अंदाज देखने को मिलेगा। शानदार डांस, परिवार के मजेदार किस्सों और दिवाली की खूब सारी मस्ती के साथ शाहिद कपूर, मीरा राजपूत और ईशान खट्टर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दिवाली का त्यो-हा-हा-हा-हार के खास एपिसोड में प्यार, मजेदार नोक-झोंक और हंसी का तड़का लगाएंगे। दिवाली के इस खास जश्न को देखने के लिए द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 5 जरूर देखें, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। जहाँ दीयों की रोशनी होगी, परिवार के मजेदार राज खुलेंगे और हंसी का सिलसिला लगातार जारी रहेगा।

पटेल जयंती पर तीसरी बार निकलेगी जन एकता यात्रा, धनंजय सिंह करेंगे नेतृत्व

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रवादी नौजवान सभा के संस्थापक एवं पूर्व सांसद धनंजय सिंह के नेतृत्व में लगातार तीसरे वर्ष ह्यजन एकता यात्राह्ल निकाली जाएगी। यात्रा के माध्यम से युवाओं को एकजुट करने, सामाजिक सौहार्द को मजबूत बनाने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया जाएगा। पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत हैं।

युवाओं को जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर साझा उद्देश्य के लिए एकजुट होना चाहिए, ताकि राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन एकता, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। उन्हीं के आदर्शों से प्रेरित होकर जन एकता यात्रा के जरिए समाज के सभी वर्गों को जोड़ने, युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक पहल करने का प्रयास किया जा रहा है।

धनंजय सिंह ने कहा कि समाज की असली ताकत उसकी एकजुटता में निहित है। जब युवा कमजोर, वंचित और जरूरतमंद लोगों की आवाज बनते हैं, तो लोकतंत्र मजबूत होता है और विकास को नई दिशा मिलती है।

उन्होंने युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों से जन एकता यात्रा में शामिल होने की अपील की। कहा कि युवाशक्ति को सामाजिक बदलाव का माध्यम बनाना, जनहित की आवाज बुलंद करना और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना ही इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

सुदामा नगर सेक्टर डी का टेंडर के बाद भी अटका वर्क ऑर्डर, महापौर ने लगाई फटकार

-प्रणित तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में नगर निगम के अधिकारियों की लेटलतीफी और फाइलों में अटके विकास कार्यों को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने गुरुवार सुबह अधिकारियों को फटकार लगाई। सुदामा नगर सेक्टर-डी के औचक निरीक्षण के दौरान बाउंड्रीवॉल का टेंडर होने के बावजूद वर्कऑर्डर जारी नहीं होने का मामला सामने आया। इस पर महापौर ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों को बुलाकर जवाब मांगा।महापौर ने नाराजगी जताते हुए कहा, आप लोग कागज-कागज खेलते रहते हो और यहां जनता परेशान होती रहती है। आपके कारण सरकार की छवि खराब होती है। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद जीतू राठौर भी उनके साथ थे। महापौर ने क्षेत्र में निर्माण कार्यों की स्थिति देखी और स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान ए सेक्टर के बगीचे की बाउंड्रीवॉल का टेंडर होने के बाद भी वर्कऑर्डर की फाइल लंबे समय से लंबित होने की बात सामने आई। इस पर महापौर ने संबंधित फाइल और अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव सहित अधिकारियों को मौके पर बुलाकर जवाब तलब किया।महापौर ने सवाल उठाया कि जब काम होना ही नहीं था, तो प्रस्ताव कैसे बना टेंडर किस आधार पर हुआ और प्रक्रिया वर्कऑर्डर तक कैसे पहुंची? उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने के निर्देश दिए, ताकि देरी के लिए जिम्मेदार लोगों का पता चल सके।

भारत 24 घंटे में 5,000 पुस्तकें प्रकाशित करने की तैयारी में

मुंबई। बेस्टसेलिंग लेखिका और लेखन-सलाहकार श्वेता सामोता तथा उद्यमी मनीष सामोता के द्वारा स्थापित संस्था इंडिया ऑथर्स एकेडमी 31 अक्टूबर 2026 को लिखेगा इंडिया मिशन 2.0 की शुरूआत करने जा रही है। इस पहल के लिए अब तक 1,400 से अधिक प्रतिभागी लेखक पंजीकरण करा चुके हैं।

भारत को विश्व की लेखकीय राजधानी के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से लिखेगा इंडिया मिशन 2.0 हजारों उदीयमान लेखकों को 45 दिनों की एक सुव्यवस्थित लेखन और प्रकाशन यात्रा के माध्यम से अपने विचारों, अनुभवों और ज्ञान को प्रकाशित पुस्तकों में बदलने में मदद करेगा। इस कार्यक्रम का समापन 13 दिसंबर, 2026 को 24 घंटे में 5,000 पुस्तकें प्रकाशित करने के महत्वाकांक्षी विश्व रिकॉर्ड प्रयास के साथ होगा। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को पुस्तक की अवधारणा विकसित करने, उसकी रूपरेखा तैयार करने, लेखन, संपादन और प्रकाशन सहित 9 मिशनों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करेगा। दिसंबर 2025 में आयोजित प्रथम संस्करण की सफलता के बाद लिखेगा इंडिया मिशन इस बार और भी महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ लौट रहा है। पहले संस्करण के दौरान 24 घंटे में 773 पुस्तकें प्रकाशित की गई थीं। इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के द्वारा मान्यता दी गई थी। इंडिया ऑथर्स एकेडमी के संस्थापक श्वेता सामोता और मनीष सामोता ने कहा, भारत में लाखों ऐसी कहानियाँ हैं, जिन्हें अभी दुनिया के सम्मुख आना बाकी है। इसके बावजूद, कई महत्वाकांक्षी लेखकों के पास लेखन की शुरूआत करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन या संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। लिखेगा इंडिया मिशन के माध्यम से हमारा उद्देश्य लेखन और पुस्तक प्रकाशन को सभी के लिए सुलभ बनाना तथा दस लाख भारतीयों को प्रकाशित लेखक बनने के लिए सशक्त बनाना है। हमारा दृष्टिकोण केवल विश्व रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि लेखकों का एक राष्ट्र तैयार करना और भारत को विश्व की लेखकीय राजधानी के रूप में स्थापित करना भी है।

जन समस्याओं का समाधान हमारा पहला कर्तव्य: अभिषेक शर्मा

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। अभिषेक 'बबलू' शर्मा मध्य प्रदेश के इंदौर नगर निगम (IMC) के वार्ड क्रमांक 81 (अन्नपूर्णा वार्ड) से निर्वाचित पार्षद हैं। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सक्रिय नेता और जन-प्रतिनिधि हैं। उन्होंने जुलाई 2022 में आयोजित इंदौर नगर निगम चुनाव में वार्ड 81 (अन्नपूर्णा) से भाजपा उम्मीदवार के रूप में भारी मतों से जीत हासिल की थी। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को 8,696 वोटों के बड़े अंतर से हराया था। एमआईसी (MIC) सदस्य और पार्षद होने के साथ-साथ वे इंदौर नगर निगम की महापौर परिषद में जलकार्य एवं सीवेज विभाग के प्रभारी पद पर कार्यरत हैं।

वर्तमान में उनके पास इंदौर शहर के जलकार्य (WÔter Works) और सीवेज विभाग की बड़ी जिम्मेदारी है। इंदौर जैसे बड़े और देश के सबसे स्वच्छ शहर में पानी की आपूर्ति और ड्रेनेज नेटवर्क को सुदृढ़ करने में उनकी अहम भूमिका है। भविष्य में शहर को इसका लाभ मिलेगा।

अभिषेक बबलू शर्मा ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत छात्र राजनीति से की थी। कॉलेज के दिनों से ही वे संगठन और छात्र हितों के लिए सक्रिय रहे, जिसके बाद वे मुख्यधारा की राजनीति में आए। वे समाज के विभिन्न मुद्दों पर जन समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उनका मानना हैं कि क्षेत्र के हर नागरिकों की हर समस्या का समाधान करना हमारी पहली जिम्मेदारी है। हमारा संकल्प है कि वार्ड का कोई भी व्यक्ति नागरिक समस्या लेकर भटकता न रहे और उनके हर समस्याओं निदान हो। उन्होंने इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (DAVV) से अपनी उच्च शिक्षा पूरी की है। सही मायने में वे सच्चे जनसेवक हैं।

छठ पूजा के लिए बीएमसी की सिंगल विंडो योजना, श्रद्धालुओं की सुविधाओं का पूरा ध्यान

मुंबई। मुंबई शहर और उपनगरों में छठ पूजा का उत्सव इस वर्ष भी उत्साहपूर्वक और सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए मुंबई महानगरपालिका को विशेष नियोजन करना चाहिए। इसी उद्देश्य से छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए गुरुवार को महानगरपालिका आयुक्त कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में 20 से अधिक छठ पूजा समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उन्होंने विभिन्न सुझाव और माँगें रखीं। इसके अनुसार, आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने का आश्वासन महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिड़े ने दिया। मुंबई के मढ़-मार्वे, जुहू चौपाटी, गिरगाँव चौपाटी, दादर चौपाटी और बाणगंगा जैसे स्थानों पर छठ पूजा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। विशेष रूप से जुहू चौपाटी पर लगभग पाँच लाख श्रद्धालु छठ पूजा के लिए उपस्थित रहते हैं, इसलिए वहाँ पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध कराने की माँग बैठक में की गई। सार्वजनिक शौचालय, कपड़े बदलने के लिए अलग कमरे, पीने का पानी तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करने पर समितियों के प्रतिनिधियों ने जोर दिया। मुंबई के विभिन्न स्थानों पर आवश्यकतानुसार कृत्रिम तालाबों का निर्माण किया जाए, छठ पूजा से कुछ दिन पहले सभी चौपाटियों की सफाई की जाए और गिरगाँव चौपाटी पर पूजा-अर्चना के लिए मंच बनाया जाए, ऐसी माँगें भी की गईं। प्रतिनिधियों ने यह अपेक्षा भी व्यक्त की कि महानगरपालिका छठ पूजा के लिए आवश्यक सामग्री और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराए।

उद्धव सेना से उत्तर भारतीयों का मोह भंग, पद के साथ सम्मान भी दे रही शिंदे सेना

-शिवपूजन पांडे, वरिष्ठ पत्रकार

मुंबई। हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे हमेशा समग्र हिंदू समाज को एक साथ लेकर चलते थे और हमेशा हिंदू समाज के लिए ढाल बनकर खड़े होते थे। यही कारण था कि गैर मराठी हिंदू समाज भी उनसे पूरी तरह से प्रभावित रहा। बाबरी मस्जिद गिरने के बाद जिस तरह से उन्होंने ताल ठोंककर मस्जिद गिराने की जिम्मेदारी ली थी, उससे देश भर का हिंदू समाज उन्हें अपना हीरो मानने लगा था। उनके उत्तराधिकारी के रूप में उद्धव ठाकरे ने उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही कारण था कि उत्तर भारतीय समाज के अनेक बड़े चेहरे उनकी पार्टी से जुड़ते गए। परंतु उनके द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों को

लेकर उत्तर भारतीय समाज के बीच उनकी पार्टी को लेकर साफ नाराजगी दिखाई देने लगी। मराठी भाषा के नाम पर जिस तरह से उत्तर भारतीयों को अपमानित होना पड़ा,उसे देखते हुए उत्तर भारतीय नेताओं का उद्धव सेना से पूरी तरह से मोह भंग हो गया। दूसरी तरफ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हमेशा आगे बढ़कर उत्तर भारतीय समाज का खुलकर साथ दिया। यही कारण था कि शिवसेना की विचारधारा के लोग उद्धव सेना से हटाने के बाद उनकी पार्टी से जुड़ गए। एकनाथ शिंदे ने न सिर्फ पार्टी में उनका स्वागत किया अपितु उन्हें पद और सम्मान भी दिया। उत्तर भारतीय समाज के बड़े चेहरों के रूप में संजय निरुपम को शिंदे सेना में राष्ट्रीय प्रवक्ता ,आनंद दुबे को राष्ट्रीय प्रवक्ता, गुलाबचंद दुबे को राष्ट्रीय प्रवक्ता व शिवसेना उत्तर भारतीय संगठन महाराष्ट्र का प्रदेश अध्यक्ष, जयप्रकाश सिंह को शिवसेना उत्तर भारतीय संगठन महाराष्ट्र का कार्याध्यक्ष और मुंबई अध्यक्ष, संतोष सिंह को उत्तर भारतीय संगठन महाराष्ट्र का मुंबई उपाध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद दिया गया है। इसके अलावा अनेक उत्तर भारतीयों को अनेक बड़े पद दिए गए हैं। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी में उत्तर भारतीयों की भीड़ होने के बावजूद बहुत ही कम संख्या में उन्हें महत्वपूर्ण पद दिया गया है, वहीं शिंदे सेना ने उत्तर भारतीय नेताओं के लिए लाल कारपेट बिछा दिया है। ऐसे में आने वाले दिनों में एकनाथ शिंदे की सेना अत्यंत मजबूत होती दिखाई दे रही है। अकेले हम मीरा भायंदर की बात करें तो यहां भी विक्रम प्रताप सिंह, विद्या शंकर चतुर्वेदी, संदीप तिवारी, विजय राय जैसे अनेक उत्तर भारतीयों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है।

पायधुनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, विदेशी सिगरेट और ई-सिगरेट के अवैध कारोबार का भंडाफोड़

मुंबई। मुंबई की पायधुनी पुलिस ने विदेशी सिगरेट और इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के अवैध भंडारण, वितरण एवं बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 11,790 विदेशी सिगरेट और 2,172 इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट जब्त की हैं। जब्त किए गए माल की कुल कीमत 72,21,550 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 को पायधुनी पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान मस्जिद बंदर पश्चिम, मुंबई स्थित होटल स्टार्स में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान विदेशी सिगरेट और ई-सिगरेट का अवैध भंडारण कर बिक्री करने के आरोप में 19 लोगों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, सह पुलिस आयुक्त मनोज कुमार शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त शैलेश बलकवडे, पुलिस उपायुक्त रागसुधा आर. तथा सहायक पुलिस आयुक्त रेणुका बुवा के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लक्ष्मीकांत सालुंखे, पुलिस निरीक्षक अजय कदम, पुलिस उपनिरीक्षक कल्पेश चव्हाण तथा अन्य पुलिसकर्मियों ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध विदेशी सिगरेट और ई-सिगरेट के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त संदेश गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

नाबार्ड : सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 का आयोजन

मुंबई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत नाबार्ड द्वारा 29 अक्टूबर 2026 को बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस वॉकथॉन को नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक श्री जी. एस. रावत, उप प्रबंध निदेशक डॉ. ए. के. सूद तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री यू. दिनेश शनभाग ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस आयोजन में 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने विषय से संबंधित नारों वाली तख्तियाँ लेकर समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा का संदेश प्रसारित किया। नाबार्ड के अध्यक्ष डॉ. शाजी कृष्णन वी ने 26 अक्टूबर 2026 को कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर भारत की माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा भारत सरकार के केंद्रीय सतर्कता आयोग के संदेशों का वाचन वरिष्ठ अधिकारियों और नाबार्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री यू. दिनेश शनभाग द्वारा किया गया। नाबार्ड ने नेशनल बैंक स्टाफ कॉलेज, लखनऊ के सहयोग से देशव्यापी व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रमों (MOOCs) का आयोजन किया। इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आईटी, साइबर सुरक्षा एवं साइबर स्वच्छता, सार्वजनिक खरीद तथा गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर वर्चुअल सत्र आयोजित किए गए। इनका उद्देश्य संगठन में जागरूकता बढ़ाना और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को प्रोत्साहित करना था। नाबार्ड के प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों (ROs) और प्रशिक्षण संस्थानों (TEs) में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इनमें नारा लेखन, तात्कालिक भाषण, प्रतिभा खोज, विषयगत प्रश्नोत्तरी, चित्रकला आदि शामिल थे। इन गतिविधियों के माध्यम से कर्मचारियों को सतर्कता के विषय पर सक्रिय भागीदारी और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित किया गया। 17 अगस्त 2026 से 16 नवंबर 2026 तक चलाए जा रहे सतर्कता अभियान के दौरान नाबार्ड ने सतर्कता शिकायत प्रबंधन प्रणाली पोर्टल भी शुरू किया। निवारक सतर्कता के प्रति जागरूकता को और मजबूत करने के लिए नाबार्ड ने कई प्रभावशाली जन-जागरूकता गतिविधियाँ भी संचालित कीं। इनमें देशभर में ग्राम सभाओं का आयोजन तथा स्कूलों और कॉलेजों में सेमिनार एवं कार्यशालाएँ शामिल थीं। इन पहलों का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और नैतिक आचरण की संस्कृति को बढ़ावा देना था। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया। इसके अतिरिक्त, देशभर में नाबार्ड के कर्मचारियों को एसएमएस संदेश भेजे गए, जिनमें व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में सतर्कता एवं सत्यनिष्ठा के महत्व पर जोर दिया गया।

बारिश में छिपा चांद, चंद्रदर्शन के बिना बीती करवा चौथ की रात

वाराणसी। चांद की चांदनी में पति के चेहरे को निहारकर व्रत खोलने की आस... कहीं हाथों में रची मेहंदी, कहीं सोलह शृंगार से दमकता रूप, माथे पर सजा सिंदूर और आंखों में अखंड सौभाग्य की कामना के साथ ही पूजा की थाली सजाए चांद के निकलने की प्रतीक्षा। दिनभर पति की लंबी उम्र की कामना में निर्जला व्रत रखने वाली सुहागिनों की उम्मीदों पर गुरुवार की रात मौसम की बेरुखी भारी पड़ी। आसमान में घने बादलों का पहरा रहा और बारिश थमने का नाम नहीं ले रही थी। चंद्रोदय का निर्धारित समय बीतता गया, लेकिन चांद बादलों की ओट से बाहर नहीं आया। देखते-देखते चांदनी रात का इंतजार बेचैनी में बदल गया। इस तरह कई महिलाओं के लिए करवा चौथ की रात चंद्रदर्शन की आस में बीत गई। आस्था, प्रेम और समर्पण के प्रतीक करवा चौथ पर महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से व्रत रखा। सुबह सरगी के साथ शुरू हुआ निर्जला उपवास दिनभर पूजा-पाठ, साज-शृंगार और पारंपरिक रस्मों के साथ आगे बढ़ा। शाम को घरों में करवा माता की पूजा हुई। सुहागिनों ने कथा सुनी और पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य तथा सुखी दांपत्य जीवन की कामना की। पूजा की थालियां सजीं तो मन में एक ही अभिलाषा थी—चांद निकलेगा, अर्घ्य दिया जाएगा और फिर पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत पूरा होगा। लेकिन मौसम ने इस प्रतीक्षा को असाधारण रूप से लंबा कर दिया। करवा चौथ पर चंद्रमा के दर्शन का विशेष धार्मिक महत्व है। परंपरा के अनुसार, सुहागिनें चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद पति का चेहरा देखकर व्रत खोलती हैं। मगर इस बार आसमान में छाए बादलों और लगातार होती बारिश ने इस परंपरा के निर्वाह को मुश्किल बना दिया। चंद्रमा के उदय का समय होने के बावजूद उसके दर्शन नहीं हो सके। महिलाओं की निगाहें कभी छत से आसमान की ओर उठतीं तो कभी बारिश की बूंदों के बीच बादलों के छंटने का इंतजार करतीं। हर गुजरते पल के साथ उम्मीद बनी रही कि शायद मौसम करवट ले और चांद की एक झलक मिल जाए।

गोवंडी में श्री साईं बाबा मंदिर के विकास की दिशा में पहल, बाउंड्री वॉल का निर्माण शुरू

सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) और श्रद्धा गोरगे के प्रयासों से मंदिर परिसर की सुरक्षा एवं स्वच्छता की दिशा में बढ़े कदम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के गोवंडी स्थित घाटकोपरझमानखुर्द लिंक रोड पर छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल स्कूल के सामने जय महाराष्ट्र कंपाउंड में स्थित श्री साईं बाबा मंदिर के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। मंदिर परिसर की सुरक्षा, स्वच्छता और सुव्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 14 अक्टूबर 2026 से बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

पिछले कई वर्षों से यह मंदिर स्थानीय श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। हालांकि, कंपाउंड के निर्माण एवं विकास कार्यों के दौरान मंदिर की स्थिति दयनीय हो गई थी। मंदिर के आसपास गंदगी फैलने से श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस स्थिति में सुधार लाने और मंदिर की गरिमा को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से स्थानीय नागरिकों ने मिलकर ओम साईं बाबा संस्था (रजि.) का गठन किया। इस कार्य में समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) और समाजसेविका श्रद्धा गोरगे पिछले कई वर्षों से निरंतर प्रयास कर रहे हैं। संस्था एवं स्थानीय नागरिकों का संकल्प है कि जिस प्रकार लोग अपने घरों को सुंदर और व्यवस्थित बनाते हैं, उसी प्रकार उनके आराध्य श्री साईं बाबा का मंदिर भी स्वच्छ, सुंदर और भव्य होना चाहिए। इसी उद्देश्य से मंदिर परिसर में बाउंड्री वॉल का निर्माण शुरू किया गया है, जिससे परिसर की सुरक्षा और व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। आगामी समय में मंदिर को और ऊंचा, सुंदर एवं भव्य स्वरूप देने की योजना है। साथ ही, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रतिदिन आरती एवं पूजा-अर्चना की व्यवस्था करने और प्रत्येक गुरुवार को महाप्रसाद का आयोजन करने का भी संकल्प लिया गया है। स्थानीय नागरिकों और संस्था के सदस्यों को उम्मीद है कि सामूहिक प्रयासों से श्री साईं बाबा मंदिर का विकास कार्य निरंतर आगे बढ़ेगा और यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए पूजा-पाठ एवं आध्यात्मिक शांति का प्रमुख केंद्र बनेगा।

श्रद्धा और सबुरी का संदेश देने वाले श्री साईं बाबा की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे।

भीषण सूखे के बीच किसानों की मदद के लिए आगे आए मंत्री प्रताप सरनाईक

ठाणे (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में सूखे की मार झेल रहे किसानों की मदद के लिए शिवसेना की ओर से पहल की गई है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक की विशेष पहल पर धाराशिव के सूखाग्रस्त किसान परिवारों के लिए दिवाली राशन और आवश्यक सामग्री से भरे ट्रक ठाणे से रवाना किए गए। इस अवसर पर शिवसेना के प्रमुख नेता एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपस्थित रहे। हम किसानों की दिवाली को काला नहीं होने देंगे और मदद का स्तंभ शिवसेना की नीति है के संकल्प के साथ शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य आर्थिक संकट और सूखे की मार झेल रहे किसान परिवारों को दिवाली के अवसर पर राहत पहुंचाना है। कार्यक्रम में धाराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर, युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक, मराठवाड़ा युवा सेना के निरीक्षक बाजीराव चव्हाण सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति और शिवसैनिक उपस्थित रहे। दिवाली नजदीक होने के बावजूद सूखे के कारण किसानों के सामने आर्थिक चुनौतियां बनी हुई हैं। ऐसे में उनके परिवारों तक जरूरी सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से यह पहल की गई। धाराशिव के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक ने सूखाग्रस्त किसानों की दिवाली में सहयोग करने का अपना वादा निभाने की बात कही। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ट्रकों को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि शिवसेना केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि संकट के समय लोगों के साथ खड़े रहने वाला सामाजिक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि सूखे की कठिन परिस्थितियों में किसानों को अकेला नहीं छोड़ा जा सकता। प्रताप सरनाईक ने धाराशिव के किसानों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए दिवाली राशन और जरूरी सामग्री भेजने की पहल की है।

फोर्स मोटर्स का दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी वैन निमार्ता और शेयर्ड व विशिष्ट मोबिलिटी समाधानों की प्रमुख कंपनी फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने 30 सितंबर 2026 को समाप्त हुई तिमाही और पहली छमाही के मजबूत वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। नई 'ट्रैवलर एन' रेंज और 'अर्बानिया डीलक्स' के सफल रोल-आउट तथा बाजार से मिली शानदार प्रतिक्रिया के बल पर कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान बिक्री में तेज उछाल दर्ज किया है।

वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में फोर्स मोटर्स ने 2,967 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 41% अधिक है। इस अवधि के दौरान एबिटडा 23% बढ़कर 476 करोड़ रुपये तथा कर-पूर्व लाभ 24% की बढ़त के साथ 393 करोड़ रुपये रहा। कर-पश्चात लाभ 291 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। वित्त वर्ष 2027 की

पहली छमाही में कुल राजस्व 23% वार्षिक वृद्धि के साथ 5,445 करोड़ रुपये रहा, एबिटडा 13% वार्षिक वृद्धि के साथ 842 करोड़ हुआ और कर-पूर्व लाभ 13% वार्षिक वृद्धि के साथ 682 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कर-पश्चात लाभ 504 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। पहली छमाही में कंपनी की कुल बिक्री में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 23% की वृद्धि दर्ज की गई। फोर्स मोटर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रसन फिरोदिया ने कहा, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही फोर्स मोटर्स के लिए एक बदलाव और नई रफ्तार का दौर रही है। पूरी तरह से नई ट्रैवलर एन रेंज में बदलाव और अर्बानिया डीलक्स का लॉन्च हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम थे। मजबूत उत्पादन क्षमताओं और टीम की लगन की बदौलत हमने परिचालन में आवश्यक बदलावों को तेजी से पूरा किया और पिछले दो महीनों में बिक्री में जबरदस्त उछाल आया है। श्री फिरोदिया ने आगे कहा, हम दीर्घकालिक विकास के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश कर रहे हैं। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य हमारी उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करना और कुल वार्षिक क्षमता को लगभग दोगुना करके 80,000 वाहनों तक पहुँचाना है। इसके साथ ही, 'टैवलर ईवी' रेंज के आगामी लॉन्च के साथ हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति और मजबूत करेंगे। कर्ज-मुक्त बैलेंस शीट, 'प्रोजेक्ट डिजीफोर्स' जैसे डिजिटल परिवर्तन अभियानों और मजबूत ऑर्डर पाइपलाइन के साथ फोर्स मोटर्स आगामी त्योहारी सीजन और वित्त वर्ष के उत्तरार्ध में विकास की इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की संख्या 65 हजार के पार

मुंबई। केंद्रीय कौशल विकास विभाग द्वारा आयोजित बहुराज्यीय नवाचार प्रतियोगिता सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज को उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिल रहा है। महाराष्ट्र जोन से इस प्रतियोगिता में भाग लेने वालों की संख्या 65 हजार से अधिक हो गई है। बढ़ती भागीदारी को देखते हुए प्रतियोगिता के लिए 30 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर उपलब्ध है। विभिन्न सामाजिक और सार्वजनिक समस्याओं के नवीन एवं व्यावहारिक समाधान खोजना इस प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश्य है। राष्ट्रीय सुरक्षा, शहरी पलायन और श्रमिकों को गर्मी से बचाने जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवाचारों को प्रतिभागियों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिल रहा है। सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज प्रतियोगिता के अंतर्गत राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष संभावित खतरे (जैसे सोशल मीडिया का दुरुपयोग और अवैध विदेशी वित्तपोषण), शहरी आबादी में बदलाव एवं पलायन, जनसंख्या के पलायन संबंधी प्रवाहों पर निगरानी, मेहनतकश श्रमिकों को गर्मी से बचाने तथा संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों, व्यावसायिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों को एक मंच पर लाने जैसे विषयों पर नवीन विचार प्रस्तुत किए जा सकते हैं। इन क्षेत्रों में भी प्रतिभागियों की ओर से उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिल रहा है। अब तक महाराष्ट्र, गोवा, छत्तीसगढ़ तथा केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव सहित महाराष्ट्र जोन से 65 हजार से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं। इनमें 48,680 टीमों ने भाग लिया है। इसके अलावा, 3,787 महिलाओं और 18 वर्ष से कम आयु के 2,044 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। सामान्य वर्ग से 12,604 पंजीकरण हुए हैं, जबकि कुल 7,952 विचार प्रस्तुत किए जा चुके हैं। कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि ह्यसेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के लिए आवेदन प्रक्रिया 21 सितंबर से शुरू हुई है। नवप्रवर्तक, विद्यार्थी, विद्यार्थी समूह, शोधकर्ता, प्राध्यापक, स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), कंपनियां, सामाजिक संस्थाएं तथा शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। समाज के सामने मौजूद समस्याओं की पहचान कर उनके लिए प्रौद्योगिकी आधारित और व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए यह प्रतियोगिता एक महत्वपूर्ण अवसर है। वर्तमान में महाराष्ट्र जोन से प्रतियोगिता में भाग लेने वालों की संख्या 65 हजार से अधिक हो गई है। 30 अक्टूबर तक इस संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है।

सपा के आशुतोष सिन्हा ने एक बार फिर भाजपा के केदारनाथ सिंह को 19,932 मतों से दी पटकनी

* काशी में सपा की हैट्रिक, भाजपा के लिए आत्ममंथन की घड़ी! बड़ी फौज, यह हश्र कैसे!
* काशी की दोनों एमएलसी सीटों पर सपा की जीत के बाद भाजपा के सामने आत्ममंथन की चुनौती
* छह साल में 78,799 मतदाता बढ़े, फिर भी आशुतोष सिन्हा की जीत का अंतर 3,650 से बढ़कर 19,932 पहुंचा
* मतदाता पंजीकरण से बूथ प्रबंधन तक रणनीति की परीक्षा, संगठन की ताकत, कार्यकताओं की सक्रियता और नेतृत्व तक पहुंचती जमीनी हकीकत पर उठ रहे सवाल
* अति आत्मविश्वास, चापलूसी और सत्ता से लाभ उठाने की प्रवृत्ति के आरोपों के बीच निष्ठावान कार्यकतोओं की उपेक्षा की चर्चा; मतदाता पंजीकरण से बूथ प्रबंधन तक चुनावी रणनीति की समीक्षा जरूरी

-सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की सियासत में विधान परिषद चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर संगठन और जनाधार के रिश्ते पर बहस छेड़ दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता और विकास परियोजनाओं के व्यापक प्रचार के बीच समाजवादी पार्टी ने शिक्षक और स्नातक, दोनों एमएलसी सीटों पर अपनी पकड़ बरकरार रखी। वैसे भी चुनावी राजनीति में हार केवल आंकड़ों का खेल नहीं होती। कई बार नतीजे उन सवालों को भी सामने ले आते हैं, जिन्हें जीत के शोर में सुनना कठिन होता है। वाराणसी की स्नातक विधान परिषद सीट पर सपा के आशुतोष सिन्हा की लगातार तीसरी जीत और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में लाल बिहारी यादव की सफलता ने भाजपा के सामने ऐसा ही सवाल खड़ा किया है। सवाल सिर्फ दो सीटें गंवाने का नहीं, बल्कि उस संगठनात्मक ताकत के चुनावी नतीजों में अपेक्षित रूप से दिखाई न देने का है, जिसके पास देशव्यापी ढांचा, कार्यकताओं की

बड़ी संख्या और चुनाव प्रबंधन का लंबा अनुभव है।

नतीजों के बाद राजनीतिक गलियारों में एक चुटकी खूब सुनाई दे रही है—जिस संगठन की इतनी बड़ी फौज है, उसका यह हश्र कैसे हो गया? यह तंज अपने आप में चुनावी विश्लेषण नहीं है, लेकिन इसके पीछे छिपे सवाल को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। आखिर ऐसा क्या हुआ कि संगठन की व्यापकता मतपेटी तक उसी अनुपात में नहीं पहुंच सकी? क्या मतदाता पंजीकरण की रणनीति में कमी रह गई, क्या बूथों तक पहुंच कमजोर पड़ी या फिर संगठन के भीतर संवाद और समन्वय की कोई ऐसी दरार थी, जिसका अंदाजा चुनावी नतीजों से पहले नहीं लग पाया? काशी के परिणामों ने इन सवालों को और धार दे दी है। यह परिणाम केवल एक सीट की हार-जीत नहीं है। इसके भीतर मतदाता पंजीकरण, संगठन की सक्रियता, कार्यकर्ताओं की भूमिका, स्थानीय नेतृत्व से संवाद और चुनावी प्रबंधन जैसे कई सवाल छिपे हैं। भाजपा के लिए चुनौती इस नतीजे को महज स्थानीय चुनाव की सीमाओं में समेट देने की नहीं, बल्कि उन कारणों की पड़ताल करने की है, जिनसे चुनावी मुकाबले में उसका अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हो सका।

छह साल में बढ़े मतदाता, बढ़ गया हार का अंतर

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के आंकड़े इस समीक्षा का सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। वर्ष 2020 में इस सीट पर आशुतोष सिन्हा ने भाजपा के केदारनाथ सिंह को 3,650 मतों से हराया था। वर्ष 2026 में सिन्हा की जीत का अंतर बढ़कर 19,932 मतों तक पहुंच गया। अंतिम परिणाम के अनुसार सिन्हा को 55,046 और भाजपा के केदार सिंह को 35,114 मत मिले। इस बीच निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी। वर्ष 2020 में जहां 2,09,754 मतदाता पंजीकृत थे, वहीं 2026 में यह संख्या बढ़कर 2,88,553 हो गई। यानी लगभग छह वर्षों में 78,799 मतदाता बढ़े। मतदान भी 82,498 से बढ़कर 1,18,611 तक पहुंचा। मतदान प्रतिशत 39.33 से बढ़कर 41.11 प्रतिशत हुआ। इन आंकड़ों को साथ रखकर देखें तो तस्वीर कई सवाल खड़े करती है। मतदाताओं की संख्या बढ़ी, मतदान करने वालों की संख्या भी बढ़ी, लेकिन भाजपा जीत की ओर नहीं बढ़ सकी। इसके उलट सपा की जीत का अंतर 16,282 मतों से और बढ़ गया। हालांकि, नए मतदाताओं में किस दल के समर्थकों की संख्या कितनी थी, इसका प्रमाणित आंकड़ा उपलब्ध हुए बिना यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि बढ़े हुए मतदाताओं ने ही भाजपा की हार तय की। मगर इतना जरूर है कि मतदाता आधार के विस्तार के साथ भाजपा की चुनावी चुनौती भी कम नहीं हुई। यही वह बिंदु है, जहां मतदाता पंजीकरण अभियान की प्रभावशीलता और संगठन की चुनावी तैयारी की समीक्षा जरूरी हो जाती है।

पंजीकरण का दावा, जमीन पर कितनी सक्रियता?

चुनाव से पहले मतदाता सूची में नाम जुड़वाने को लेकर राजनीतिक दलों के बीच सक्रियता दिखाई दी। भाजपा जैसे कैडर आधारित संगठन से अपेक्षा स्वाभाविक थी कि उसका बूथ नेटवर्क इस काम में निर्णायक भूमिका निभाएगा। लेकिन चुनावी नतीजों के बाद अब सवाल उठ रहा है कि अभियान की चर्चा और वास्तविक भागीदारी के बीच कहीं अंतर तो नहीं रह गया था? राजनीति में केवल अभियान चलाने की घोषणा पर्याप्त नहीं होती। असली परीक्षा यह है कि कितने संभावित मतदाताओं तक कार्यकर्ता पहुंचे, कितने पात्र लोगों का पंजीकरण पूरा हुआ और मतदान के दिन कितने मतदाता केंद्र तक आए। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के बाद भी मतदाता को मतदान के लिए प्रेरित करना अलग जिम्मेदारी है। पंजीकरण, संपर्क और मतदान—इन तीनों कड़ियों में से कोई कमजोर हो तो संगठनात्मक प्रयास का चुनावी लाभ सीमित रह जाता है। काशी के नतीजों के बाद यही पड़ताल जरूरी है कि भाजपा का अभियान कितनी दूर तक पहुंचा और क्या उसकी समीक्षा समय रहते हुई। किसी एक पदाधिकारी या कार्यकर्ता को जिम्मेदार ठहराने के बजाय पूरे अभियान के आंकड़ों, क्षेत्रवार प्रदर्शन और बूथवार मतदान की जांच अधिक उपयोगी होगी।

संगठन के भीतर की आवाज, नेतृत्व के लिए संकेत

चुनाव के बाद संगठन से जुड़े विभिन्न स्तरों पर हो रही चचाओं में भी आत्ममंथन की मांग सुनाई दे रही है। नाम सार्वजनिक न करने की शर्त पर बातचीत करने वाले कुछ संगठनात्मक सूत्रों के अनुसार, चिंता केवल परिणाम को लेकर नहीं, बल्कि उस कार्यशैली को लेकर भी है, जिसमें जमीन पर काम करने वाले कार्यकताओं की बात नेतृत्व तक किस रूप में पहुंचती है। इन चचाओं में एक सवाल बार-बार उभरता है—क्या संगठन के भीतर वास्तविक काम और नेतृत्व से निकटता को एक ही तराजू पर तौला जा रहा है? क्या जमीनी मेहनत करने वाले कार्यकताओं की प्रतिक्रिया को उतना महत्व मिल रहा है, जितना औपचारिक बैठकों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई देने वाली सक्रियता को? और क्या चुनाव से पहले उठने वाले असहज सवालों पर गंभीरता से विचार होता है? यह किसी व्यक्